मनेन्द्रगढ़
26 जून 2026 शुक्रवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

राजस्थान में तेज बारिश, पानी भरने से गाड़ियां

यूपी में आंधी से पोल गिरे, कारें दबीं; दिल्ली में आंधी-बारिश, मानसून एमपी-गुजरात पहुंचा

भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ/ पटना , एजेंसी। देश के 6 राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में प्री-मानसून बारिश जारी है। यूपी के आगरा में बुधवार को आंधी से सड़क किनारे खड़ी कारों पर पोल गिर गया। दो कारों का पिछला हिस्सा दब गया।

राजस्थान के सीकर और चूरू के कई इलाकों में तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया, जिससे बाइक-कारें फंस गईं। दिल्ली में तेज आंधी के साथ बारिश हुई, जबकि हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में बादल फटने से काचरंग नाला में बाढ़ आ गई। मुंबई में अंधेरी सब-वे में पानी भरने के बाद इसे अस्थाई तौर पर बंद किया गया था। विक्रोली वेस्ट में रिहायशी इमारत के पास बनी दीवार गिर गई। कई इलाकों में पेड़ उखड़े, जिसकी चपेट में आने से वाहनों को नुकसान पहुंचा।

अरुणाचल प्रदेश में एक हफ्ते से हो रही भारी बारिश के बीच बुधवार को कीयी पन्योर जिले की नीपको प्रोजेक्ट कॉलोनी में बाढ़ आ गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, 4 लोग लापता हैं और 18 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। मध्य प्रदेश और गुजरात में बुधवार को मानसून ने 9 दिन की देरी से एंट्री की। इसके साथ ही मानसून अब देश के 22 राज्यों में पहुंच चुका है। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को भी कवर कर सकता है।

नतीजा यह होता है कि बारिश का पैटर्न असंतुलित हो जाता है। यही कारण है कि इस बार मध्य प्रदेश में बारिश सामान्य के 90 से 92 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया जा रहा है। यानी प्रदेश के कुछ हिस्सों में ज्यादा बारिश हो सकती है, जबकि दूसरे क्षेत्रों में लंबे ब्रेक देखने को मिल सकते हैं।

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जुलाई और अगस्त जैसे सबसे ज्यादा बारिश वाले महीनों में भी लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए इस बार नजर सिर्फ मानसून की एंट्री पर नहीं, बल्कि इस बात पर रहेगी कि आने वाले हफ्तों में वह कितना सक्रिय बना रहता है।

जुलाई-अगस्त में उमस रहेगी, कहीं ज्यादा बारिश, कहीं लंबा ब्रेक दिखेगा... विश्व मौसम विज्ञान संगठन के सदस्य डॉ. पंकज कुमार के मुताबिक, सुपर अल नीनो में प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से काफी ज्यादा गर्म हो जाता है। इससे मानसून की गति, दिशा और निरंतरता प्रभावित हो सकती है।

: ब्रीफ बॉक्स :

दिल्ली रेप-मर्डर, दावा- आरोपी नपुंसक निकला

रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई, बोला- रेप की कोशिश की, कर नहीं सका फिर मर्डर किया

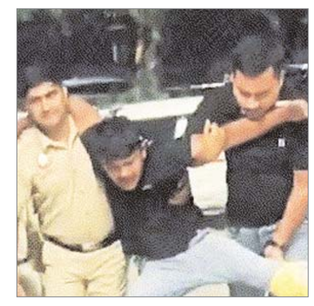

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में 11 साल की बच्ची के रेप-मर्डर को लेकर नया दावा किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी कैब ड्राइवर इरेक्टाइल डिस्फंक्शन, यानी शारीरिक संबंध बनाने में दिक्कत आने से पीड़ित था।

उसकी नपुंसकता रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। आरोपी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसने गाड़ी की पिछली सीट पर बच्ची के साथ रेप करने की कोशिश की। लेकिन इरेक्टाइल डिस्फंक्शन के कारण वह ऐसा नहीं कर सका। आरोपी ने कहा कि उसने बच्ची को शोर मचाने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी और फिर उसे फरीदाबाद-गुरुग्राम सीमा के पास एक सुनसान जंगली इलाके में ले गया।

ट्रम्प ने संसद से 8 लाख करोड़ की फंडिंग मांगी

बोले- ईरान जंग पर हुए खर्चों की भरपाई के लिए जरूरी संसद इसके खिलाफ

तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने अमेरिकी संसद से 87.6 अरब डॉलर यानी करीब 8.3 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त फंडिंग मंजूर करने की मांग की है। इसका बड़ा हिस्सा ईरान युद्ध से जुड़े खर्चों के लिए रखा गया है।

व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह रकम पिछले साल मंजूर किए गए करीब 1 ट्रिलियन डॉलर और अगले वित्तीय वर्ष के लिए मांगे गए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट से अलग है। सरकार का कहना है कि यह पैसा युद्ध से जुड़े ऑपरेशन, सेना की तैयारी, हथियारों के भंडार को फिर से भरने और सीक्रेट रक्षा कार्यक्रमों पर खर्च किया जाएगा।

सांसद ने राममंदिर जमीन घोटाले के सबूत एसआईटी को दिए

संजय सिंह ने 12 मिनट में एसआईटी अध्यक्ष को 11 सबूत सौंपे

» पूछा- अब तक एफआईआर क्यों नहीं हुई

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी को आप सांसद संजय सिंह ने जमीन घोटाले से जुड़े सबूत दिए। संजय सिंह गुरुवार सुबह 11 बजे लखनऊ में SIT के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत के ऑफिस पहुंचे। वे करीब 12 मिनट कमरे में रुके।

संजय सिंह ने बाहर आकर कहा- राम मंदिर में जमीन घोटाले के 11 कागजात मैंने एसआईटी को सौंपे हैं।

आप सांसद बोले: चंपत राय को जमीन बेचकर ट्रस्ट को चूना लगाया गया राम मंदिर में हुए घोटाले से देश के लोगों में गुस्सा है। करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। यूपी सरकार ने इसकी जांच के लिए एसआईटी बनाई है। इसकी अध्यक्षता लखनऊ कमिश्नर विजय विश्वास पंत कर रहे हैं। आज उन्होंने मुझे बुलाया था। मैंने उनसे मुलाकात कर सारे दस्तावेज सौंप दिए। मेरे पास 13 दस्तावेज थे। दो मामले आपस में जुड़े थे, इसलिए 11 सेट के कागजात SIT को सौंप दिए। आप जानकर हैरान हो जाएंगे कि किस प्रकार से 1 करोड़ की जमीन दान में बेच दी गई। इसके अलावा 9 करोड़ की जमीन 55.47 करोड़ में बेची गई। इसी तरह 3 करोड़ की जमीन 24 करोड़ में बेची गई। 3 करोड़ वाली जमीन जो बेची गई, वह नजूल की जमीन थी। यह जमीन न बेची जा सकती है और न ही खरीदी जा सकती है।

इस जमीन को ट्रस्ट ने चंदे के पैसों से कैसे खरीद लिया? इसके अलावा, जो उस समय के भाजपा मेयर थे, उनसे संबंधित कागजात भी थे। उन्हें मैंने SIT को सौंपा है। बताया गया है कि किस तरह चंपत राय को जमीन बेचकर ट्रस्ट को चूना लगाने का काम किया गया।

उन्होंने कहा: एक-एक कर सब सामने आ रहा है। पैसे की बरामदगी हो चुकी है, चढ़ावे में चोरी के तमाम साक्ष्य मिल चुके हैं। फिर भी अब तक कोई जेल क्यों नहीं गया? किसी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? कोई FIR अब तक क्यों दर्ज नहीं हुई? यह बेहद हैरान करने वाली बात है।' दरअसल, संजय सिंह ने दावा किया था कि उनके पास अयोध्या में जमीन घोटाले से जुड़े सबूत हैं। इसके बाद SIT के प्रमुख कुमार विश्वास पंत ने उन्हें सबूत के साथ बुलाया था।

एनसीआरटी के सिलेबस में 1975-1977 इमरजेंसी सेक्शन शामिल

कक्षा 9वीं को पढ़ाया जाएगा

» इलेक्शंस चैप्टर में चुनाव आयोग की भी तारीफ

नई दिल्ली,एजेंसी। एनसीआरटी यानी नेशनल काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग ने पहली बार कक्षा 9 की सामाजिक विज्ञान की किताब में 1975-77 की इमरजेंसी को शामिल किया है। नई किताब 'अंडरस्टैंडिंग सोसाइटी: इंडिया एंड बियॉन्ड' में इमरजेंसी को भारतीय लोकतंत्र के सामने आई सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया गया है। ANI की रिपोर्ट के मुताबिक, NCERT के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि कक्षा 9 की किताब में पहली बार इमरजेंसी पर अलग सेक्शन जोड़ा गया है। इसके अलावा 'अंडरस्टैंडिंग सोसाइटी: इंडिया एंड बियॉन्ड-पार्ट 1' के 'इलेक्शंस' चैप्टर में चुनाव आयोग की तारीफ की गई है।

किताब में लिखा: इंदिरा सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी बढ़ी, किताब में लिखा गया है कि 1970 के दशक की शुरुआत में इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी बढ़ रही थी। बेरोजगारी, महंगाई और कुप्रबंधन के आरोपों के कारण कई जगह विरोध प्रदर्शन हुए। इसके बाद जून 1975 में आंतरिक अशांति के आधार पर राष्ट्रीय इमरजेंसी लागू की गई।

ट्रक में घुसी कार, औरंगाबाद के चार लोगों की मौत

दो की हालत गंभीर, एक घंटे फंसे रहे, मंदसौर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा

मंदसौर,एजेंसी। मंदसौर में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। दुर्घटना गुरुवार सुबह करीब 11 बजे हुई। सीतामऊ थाना पुलिस के मुताबिक, रेनॉल्ट ट्राइबर कार में छह लोग सवार थे। सभी महाराष्ट्र के औरंगाबाद के रहने वाले हैं। वे दिल्ली की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया। उसमें सवार लोग करीब एक घंटे तक अंदर फंसे रहे।

पुलिस से पहले राहगीरों ने रेस्क्यू किया: हादसे के बाद कार में सवार लोग करीब एक घंटे तक वाहन में फंसे रहे। राहगीरों और अन्य वाहन चालकों ने राहत कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद सभी घायलों और मृतकों को कार से बाहर निकाला गया।

सभी घायलों को सीतामऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतकों में रवींद्र काले और सचिन गंगाधर गजभारे की पहचान की है। दोनों औरंगाबाद (महाराष्ट्र) के रहने वाले हैं। अन्य दो मृतक और घायलों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस परिजन से संपर्क करने का प्रयास कर रही है।

आपातकाल: पीएम मोदी ने दोहराया संविधान के प्रति संकल्प

उपराष्ट्रपति बोले- सांविधानिक मूल्यों की हुई थी परीक्षा

नई दिल्ली,एजेंसी। आपातकाल की आज 51वीं बरसी है। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारतीय इतिहास का सबसे काला दिन बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'संविधान हत्या दिवस' के अवसर पर कहा कि यह दिन आज हमें उस काले दौर की याद दिला रहा है, जब भारतीय लोकतंत्र को बुरी तरह से कुचला गया था।इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम ऐसे भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्शों के प्रति सदैव समर्पित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज हम उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने भारत के इतिहास के सबसे काले दौर में से एक, यानी 'आपातकाल' के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती से रक्षा की।'

'आपातकाल हमारे संविधान पर सीधा हमला था': उन्होंने लिखा, 'आपातकाल हमारे संविधान पर सीधा हमला था। इस दौरान नागरिक स्वतंत्रताएं छीन ली गई, अभिव्यक्ति की आजादी पर रोक लगाई गई, राजनीतिक नेताओं, पत्रकारों और समाज सेवकों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही उन संस्थाओं पर हमला किया गया, जो हमारे लोकतंत्र की नींव हैं। उस दौर ने अनगिनत नागरिकों के असाधारण साहस को भी दिखाया, जिन्होंने चुप रहने से इनकार कर दिया और हमारे संविधान में निहित आदर्शों को बनाए रखा।'

इसके साथ ही, पीएम मोदी ने 'संस्कृत सुभाषितम्' शेयर करते हुए लिखा, 'स्वातन्त्र्यात् सुखमाप्नोति स्वातन्त्र्याल्लभते परम्। स्वातन्त्र्यान्निर्वृत्तिं गच्छेत् स्वातन्त्र्यात् परमं पदम्।' इसमें कहा गया है, 'स्वतंत्रता से ही मनुष्य सुख प्राप्त करता है, स्वतंत्रता से ही वह सर्वोच्च उपलब्धि पाता है। स्वतंत्रता से ही वह शांत अवस्था को प्राप्त होता है और स्वतंत्रता के माध्यम से ही वह परम पद को प्राप्त करता है।

भारतीय लोकतंत्र को बुरी तरह से कुचला गया...

उन्होंने आगे लिखा, 'हम सभी के लिए, हमारा संविधान 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं, अधिकारों और कर्तव्यों का प्रतीक है। हम सांविधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। अपने संविधान की भावना से प्रेरित होकर हम एक ऐसा भारत बनाएंगे, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध रहे।' 'संविधान हत्या दिवस आज हमें उस काले दौर की याद दिला रहा है, जब भारतीय लोकतंत्र को बुरी तरह से कुचला गया था। यह हमें लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहने को प्रेरित करता है। आपातकाल का विरोध करने वाली सभी विभूतियों को सादर नमन।'

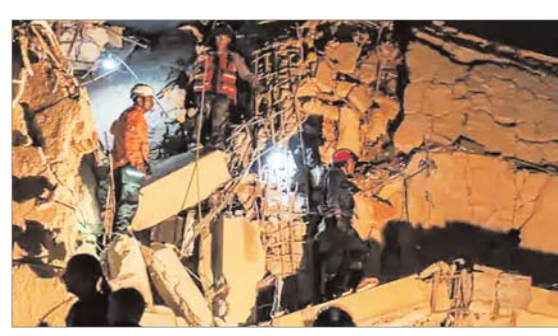

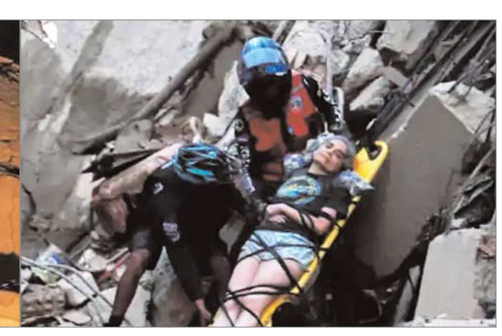

60 सेकेंड में 2 भूकंप, वेनेजुएला के कई शहर तबाह

10 हजार लोगों के मारे जाने की आशंका; 7.2 और 7.5 तीव्रता के झटकों से इमारतें गिरीं

कराकस, वेनेजुएला,एजेंसी। वेनेजुएला में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.34 बजे 7.2 और 6.35 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार तड़के 3.34 और 3.35 बजे थे।

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, 30% आशंका एक लाख लोगों के जान गंवाने की भी है। अब तक 32 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 700 से ज्यादा घायल हैं। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं।

दोनों भूकंप राजधानी कराकस से करीब 290 किलोमीटर पश्चिम में आए। इससे कई शहरों में इमारतें गिर गईं या खतरनाक तरीके से झुक गईं। कराकस एयरपोर्ट की छत का कुछ हिस्सा गिर गया। इससे धूल का गुबार उठता दिखाई दिया।

126 साल में सबसे बड़ा भूकंप, देश में इमरजेंसी: वेनेजुएला में यह पिछले 126 साल का सबसे बड़ा भूकंप है, इससे पहले 1900 में 7.7 का तीव्रता का भूकंप आया था। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया।

प्रेसिडेंट की अपील- लापता लोगों, टूटे घरों की जानकारी वेनएप पर दें

वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने लोगों से अपील की है कि लापता लोगों और टूटे घरों की जानकारी वेनएप पर दें। वेनेजुएला का वेनएप थोड़ा विवादित रहा है। यह पहले सामाजिक और राजनीतिक रूप से नियंत्रण रखने के रूप में इस्तेमाल होता था। वेनएप 2022 में लोगों की शिकायतों के मकसद से लॉन्च किया गया था। एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने 2024 में इसका इस्तेमाल सरकार विरोधी आंदोलनों की जानकारी लेने में किया। इसके बाद एप को गूगल प्ले स्टोर और एपल iOS ने हटा दिया था।

दक्षिण अमेरिका के 8 देश मदद के लिए आगे आए: दक्षिण अमेरिका के 8 देशों ने वेनेजुएला हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। ब्राजील, अर्जेंटीना, पेरू, मेक्सिको, कोलंबिया, बोलीविया, कोस्टा रिका और एल सल्वाडोर ने संवेदना व्यक्त करते हुए राहत और बचाव कार्य में सहयोग की पेशकश की है। इन देशों की सरकारों ने अलग-अलग बयान जारी कर भूकंप में जान गंवाने वालों के प्रति शोक व्यक्त किया। साथ ही कहा कि जरूरत पड़ने पर वे राहत सामग्री, मानवीय सहायता और रेस्क्यू टीम उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं।

सरकार ने अभी मौत का आंकड़ा नहीं बताया: राष्ट्र के नाम संबोधन में राष्ट्रपति रोड्रिग्ज ने भूकंप में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई। हालांकि उन्होंने मृतकों की संख्या नहीं बताई। उन्होंने कहा कि सरकार राहत और बचाव कार्य में पूरी ताकत से लगी है। राष्ट्रपति के मुताबिक, भूकंप में एयरपोर्ट को नुकसान पहुंचा है। सुरक्षा कारणों से उसे फिलहाल बंद रखा गया है।

ट्रम्प बोले- वेनेजुएला की हरसंभव मदद करेंगे

वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राहत सहायता का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका हरसंभव मदद के लिए तैयार है और सभी सरकारी एजेंसियों को तेजी से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा,अमेरिका मदद के लिए पूरी तरह तैयार, इच्छुक और सक्षम है। मैंने अपनी सरकार की सभी एजेंसियों को तुरंत तैयारी करने का निर्देश दिया है। हम अपने नए और अच्छे दोस्तों के साथ खड़े रहेंगे। शुरुआती रिपोर्ट अच्छी नहीं हैं।

पीएम मोदी बोले- वेनेजुएला की हरसंभव मदद को तैयार भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप पर गहरा दुख जताया है। मोदी ने X पर लिखा कि भारत इस मुश्किल समय में वेनेजुएला के लोगों के साथ खड़ा है और जरूरत पड़ने पर हरसंभव सहायता देने के लिए तैयार है।

सिया-चेतन ने कैफे में बनाया था डेथ प्लान: केतन के आने से पहले हुई थी गुप्त मुलाकात, दोनों के बीच हुए 2004 कॉल

मुंबई,एजेंसी। पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल हत्याकांड में लगातार चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि केतन को लोहागढ़ किले से खाई में धक्का देकर मारने की आरोपी उनकी मंगेतर सिया गोयल और उसका प्रेमी चेतन चौधरी पिछले छह महीने से लगातार संपर्क में थे, दोनों ने एक-दूसरे को 2,000 से अधिक बार फोन किया था। इन आरोपियों के बीच कुल 238 घंटे बातचीत की थी। पुलिस ने बताया कि उन्हें संदेह है कि सिया और चेतन के बीच इतनी ज्यादा बातचीत उस साजिश का हिस्सा थी, जिसके के तहत 18 जून को केतन की कथित तौर पर हत्या कर दी गई।

कैफे में साजिश को दिया अंतिम रूप: पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना के दिन सिया (20) और चेतन (22) कथित तौर पर एक कैफे में मिले थे।

इसी कैफे में केतन की हत्या की साजिश को अंतिम रूप दिया था। पुलिस अधिकारी का कहना है कि मुलाकात के दौरान दोनों ने किले की एक ऐसी उपयुक्त जगह की पहचान की, जहां से केतन को खाई में धकेला जा सके। उन्होंने हत्या की साजिश को अंजाम देने की पूरी तैयारी भी की। पुणे (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संदीप सिंह गिल ने कहा, सिया और चेतन के बीच पिछले छह महीने में 2,004 बार फोन कॉल हुए थे और कुल 238 घंटे बातचीत की। दोनों के बीच फोन पर कई बार दो-तीन घंटे से ज्यादा समय तक भी बातचीत हुई।

दोनों के रिश्ते में अड़चन था केतन: पुलिस के अनुसार, दोनों केतन को अपने रिश्ते में अड़चन मानते थे और इसलिए उन्होंने रियल एस्टेट कारोबारी को रास्ते से हटाने का फैसला किया।एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिया ने छह जून को मुंबई हवाई अड्डे जाते समय केतन का पासपोर्ट गायब करके प्री-वेडिंग शूट के लिए बाली जाने की दोनों की योजना पर पानी फेर दिया था।

केतन के पासपोर्ट को सिया ने चुराकर वॉशरूम में फेंका : वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिनेश तायडे ने बताया, जांच के दौरान पता चला है कि खालापुर के फूड मॉल में कार से पासपोर्ट चुराने के बाद सिया ने उसे महिलाओं के वॉशरूम में फेंक दिया था। हम हत्या की जांच तो कर ही रहे हैं, साथ ही एक टीम को मॉल भी भेजा जाएगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि पासपोर्ट बरामद किया सकता है या नहीं। बता दें कि सिया और केतन की सगाई फरवरी में हुई थी और नवंबर में उदयपुर में एक भव्य समारोह में दोनों की शादी होनी थी, जिसके लिए एक महल बुक किया गया था।

सिया ने केतन पर कई बार किले पर चलने का बनाया था दवाब: पुलिस के मुताबिक, केतन की बहन संजना और परिवार के अन्य सदस्यों से पूछताछ के दौरान हमें पता चला कि घटना से पहले सिया ने चेतन पर कई बार अपने साथ लोहागढ़ किला चलने का दबाव बनाया था। उन्होंने बताया, सिया 31 मई को केतन को लोहागढ़ किला ले गई थी। उसने चार जून को घूमने के लिए फिर से लोहागढ़ किला जाने पर जोर दिया।

14 जून को भी सिया ने केतन को दिया था धक्का

पुलिस के मुताबिक, सिया ने केतन को 14 जून को एक बार फिर लोहागढ़ किला चलने के लिए मनाने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि उस दिन भी सिया ने केतन को खाई में कथित तौर पर धकेलने का प्रयास किया, लेकिन केतन ने समय रहते झाड़ी पकड़ ली और खुद को बचाने में कामयाब रहे। जब केतन ने सिया से पूछा कि उसने उन्हें धक्का क्यों दिया, तो सिया ने वहां सांप होने की बात कही और ऐसा जताने की कोशिश की कि वह उन्हें बचाने की कोशिश कर रही थी।

भागकर शादी करने के खिलाफ थी सिया

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चेतन ने सिया को सगाई तोड़कर भागकर शादी करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे सिया ने ठुकरा दिया था। सिया सामाजिक प्रतिष्ठा और परिवार की बदनामी के डर भागकर शादी करने से मना कर दिया। इसके बाद पारिवारिक प्रतिष्ठा को बचाने के चक्कर में दोनों ने मिलकर केतन को ही रास्ते से हटाने की खौफनाक साजिश रच डाली। पुणे जिले के गहुंजे के रहने वाले केतन अग्रवाल रियल एस्टेट बिजनेस 'सक्सेस ग्रुप' के डायरेक्टर और चीफ मार्केटिंग ऑफिसर थे। उन्होंने एंटरप्रेन्योरशिप में एमएस किया था, जबकि सिया गोयल के पास एक प्राइवेट कॉलेज से कॉमर्स की डिग्री थी।

मौसम विभाग ने बंगाल के कई जिलों में बारिश की संभावना जताई

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में गुरुवार को मौसम ने करवट ली है। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल और उत्तर बंगाल के कई जिलों में दिनभर मुख्य रूप से आसमान में बादल छाए रहेंगे तथा हल्की बारिश या गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। कोलकाता में गुरुवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। वहीं राज्य के विभिन्न हिस्सों में आर्द्रता का स्तर काफी अधिक रहने के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी और असहज मौसम का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून धीरे-धीरे सक्रिय हो रहा है, जिसके प्रभाव से आने वाले दिनों में राज्य के कई जिलों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। तटीय इलाकों में तेज हवाएं चलने की भी संभावना जताई गई है। बीते 24 जून को कोलकाता में अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 98 प्रतिशत तक पहुंचने से लोगों को अधिक गर्मी महसूस हुई। मौसम विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि अगले कुछ दिनों में बंगाल के कई हिस्सों में बारिश का दायरा और बढ़ेगा, जिससे लगातार पड़ रही गर्मी से लोगों को राहत मिल सकती है।

सड़क हादसे में खलासी की मौत, एक घायल

पश्चिम मेदिनीपुर,एजेंसी। जिले के बलिभाषा इलाके में गुरुवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर एक सड़क दुर्घटना में एक मालवाहक लॉरी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में खलासी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, खजूर से लदी एक लॉरी राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रही थी। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी लॉरी ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक तथा खलासी केबिन में फंस गए। घटना की सूचना पाकर मानिकपाड़ा चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। काफी प्रयास के बाद घायल चालक को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हादसे में खलासी की मौत हो गई है। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नशे के विरुद्ध जागरुकता के लिए लगाई दौड़

हमीरपुर,एजेंसी। मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस तथा नशा निवारण सप्ताह के उपलक्ष्य पर जिला प्रशासन एवं पुलिस ने वीरवार सुबह हीरानगर के चिल्ड्रन पार्क से पक्का भरो चौक तक मिनी मैराथन दौड़ आयोजित की। इस मिनी मैराथन में उपायुक्त गंधर्वा राठौड़, एसपी बलवीर सिंह, एडीसी अभिषेक कुमार गर्ग, एसी टू डीसी चिराग शर्मा, सीएमओ डॉ. अजय अत्री, डीएफओ अंकित सिंह, जिला कल्याण अधिकारी चमन लाल शर्मा, डीएसपी नितिन चौहान, एडीपीईओ राजेंद्र शर्मा, कई अन्य अधिकारियों तथा शहर के गणमान्य नागरिकों ने भी बच्चों, युवाओं और अन्य धावकों संग दौड़ लगाई। महिलाओं और पुरुषों के दो अलग-अलग आयु वर्गों में करवाई गई इस मिनी मैराथन को हरी झंडी दिखाने से पहले उपायुक्त ने सभी लोगों को नशे का विरोध करने की शपथ दिलाई। एसपी ने भी बच्चों और युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। मिनी मैराथन की समाप्ति पर पक्का भरो चौक पर विजेताओं को नकद पुरस्कार भी दिए गए। लड़कियों के अंडर-16 वर्ग में हाई स्कूल चौकी जमवालां की कामिनी पहले, हिम अकादमी स्कूल की प्रियांशी वशिष्ठ दूसरे, चौकी जमवालां की धनेश्वरी तीसरे, इसी स्कूल की शबनम चौथे और मनीता पांचवें स्थान पर रहीं। अंडर-16 ब्वायज में हिम अकादमी के रकुल प्रथम, सीनियर सेकेंडरी स्कूल हमीरपुर के पंकज खरयाल द्वितीय, सिल्वर बैल्स स्कूल के अर्पित तृतीय, न्यू गुरुकुल के कौशल ठाकुर चतुर्थ और नक्ष चौहान पंचम स्थान पर रहे। 16 वर्ष से अधिक के आयु वर्ग में डिग्री कालेज की राशि पहले, इसी कालेज की सुहानी दूसरे, धलोट की शिवाली तीसरे, डिग्री कालेज की ऋचा चौथे और कुठेड़ा स्कूल की शाइन पांचवें स्थान पर रही। जबकि, पुरुषों के वर्ग में रोहडू के आर्यन पहले, ताल क्षेत्र के गांव पट्टियां के आदित्य दूसरे, गांव ककरू के नवीन तीसरे, कुठेड़ा क्षेत्र के गांव उबक के अतुल चौथे और गांव अवाह देवी के दीपक पांचवें स्थान पर रहे।

ऑपरेशन टाइगर पर सुप्रिया सुले ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा- 2029 से पहले कर रहे हेरफेर, एनसीपी एकजुट

मंबई,एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र समाप्त होने की कगार पर है। इसके साथ ही दावा किया कि 2029 के चुनावों से पहले राजनीतिक दलों को तोड़ा जा रहा है। उन्होंने इस बात पर भी संदेह व्यक्त किया कि क्या लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पार्टी में दलबदल से संबंधित मामलों में शिवसेना (यूबीटी) को न्याय दिला पाएंगे।

पार्टियों को तोड़ने की क्या जरूरत है: उन्होंने आगे आरोप लगाया कि हालांकि पार्टियां अक्सर जीएसटी विधेयक जैसे महत्वपूर्ण कानूनों पर सर्वसम्मति से मतदान करती हैं, फिर भी 2029 के चुनावों से पहले राजनीतिक हेरफेर और पार्टियों को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा,' इस देश में लोकतंत्र खत्म होने की कगार पर है। 2029 में चुनाव होने वाले हैं। राजनीतिक रूप से परिवार और घर टूट रहे हैं। जब भी कोई महत्वपूर्ण विधेयक आता है, तो सभी सर्वसम्मति से मतदान करते हैं, जैसा कि जीएसटी विधेयक के दौरान हुआ था। अगर ऐसा है, तो इस सब राजनीतिक हेरफेर और पार्टियों को तोड़ने की क्या जरूरत है। सुले ने आगे कहा कि भले ही मतभेद मौजूद हों, लेकिन ऐसी घटनाएं महाराष्ट्र की राजनीतिक संस्कृति के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत द्वारा मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती को लिखे पत्र का जिक्र किया, जिसमें बागी सांसद संजय दीना पाटिल ने उनके दल-बदल के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों को जान से मारने की धमकी दी थी। उन्होंने कहा, 'किसी को भी इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए। विचारों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन ऐसी बातें महाराष्ट्र की संस्कृति के अनुरूप नहीं हैं।' वहीं,राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को अपनी पार्टी की एकता और निष्ठा पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों में फूट पड़ गई है, लेकिन उनकी पार्टी का कोई भी सांसद अलग नहीं होगा।

'शिव सेना के यूबीटी सांसद बंट गए': यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए पवार ने कहा, 'शिव सेना के यूबीटी सांसद बंट गए हैं। हमारे कोई भी सांसद नहीं बंटेंगे।'उनका यह बयान उन अटकलों के जवाब में आया है कि एनसीपी (एसपी) के सांसद और विधायक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संपर्क में हैं।

ईरान बहुत बड़ी रियायतें दे रहा, मेरी हर बात मान रहा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

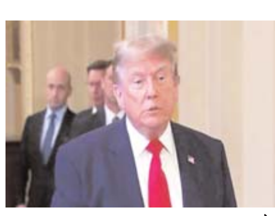

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान, अमेरिका के साथ बातचीत में बहुत बड़ी छूट दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बातचीत आगे बढ़ने का भरोसा जताते हुए चेतावनी दी कि अगर जरूरत पड़ी तो यूएस सुरक्षा बल का इस्तेमाल करने के लिए तैयार है। कैपिटल में मीटिंग से पहले और बाद में बुधवार (स्थानीय समय) को व्हाइट हाउस में नाटो के महासचिव मार्क रूटे के साथ बातचीत के दौरान ट्रंप ने मीडिया से तेहरान के साथ डिप्लोमेसी को लेकर सकारात्मक बात कही। हालांकि, उन्होंने बार-बार इस बात पर जोर दिया कि सैन्य विकल्प अभी भी मौजूद है। रिपब्लिकन सांसदों के साथ लंच मीटिंग से पहले ट्रंप ने कहा, 'जंग बहुत अच्छी चल रही है। जैसा कि आप जानते हैं, हम जीत रहे हैं। ईरान बहुत बड़ी रियायतें दे रहा है। देखते हैं क्या होता है, लेकिन यह बहुत दमदार रहा है और यह बहुत अच्छा चल रहा है। ' मीटिंग के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि तेहरान अमेरिका की मांगों को पूरा करना जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा, 'ईरान बहुत अच्छा बर्ताव कर रहा है। वे मेरी हर बात मान रहे हैं और उन्हें मानना ??ही होगा। नहीं तो, हम बस वापस जाकर वही करेंगे जो हमें करना है। ' रूटे के साथ ओवल ऑफिस मीटिंग के दौरान ट्रंप ने फिर से बातचीत को लेकर भरोसा दिखाते हुए कहा, 'ईरान के साथ हमारी बातचीत बहुत अच्छी चल रही है। ' कांग्रेस में ईरान युद्ध प्रस्ताव पर मतदान को लेकर ट्रंप ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई तेहरान को भ्रमित करने वाला और अनावश्यक संदेश देती है। उनके मुताबिक, इसका व्यावहारिक रूप से कोई खास महत्व नहीं है, लेकिन ईरान इसे अलग नजरिए से देख सकता है। ट्रंप ने भविष्य में किसी भी ऐसे समझौते से भी इनकार कर दिया जो ईरान को होर्मुज स्ट्रेट के जरिए इंटरनेशनल शिपिंग पर चार्ज लगाने की इजाजत देगा। उन्होंने कहा, 'यह मुझे मंजूर नहीं होगा। मैं इसकी इजाजत नहीं दूंगा। ' होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे जरूरी ऊर्जा चोकपॉइंट्स में से एक है। रूटे ने ट्रंप की ईरान पॉलिसी का भरपूर समर्थन किया और कहा कि इसका मुख्य मकसद तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। रूटे ने कहा, 'मैं सच में यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि आप ईरान में जो कर रहे हैं, वह कितना जरूरी है। ईरान के पास परमाणु क्षमता होना पूरी दुनिया के लिए खतरा होगा। ' उन्होंने ईरान को एक ऐसा देश बताया जो अराजकता और आतंकवाद फैला रहा है और कहा कि वह परमाणु क्षमता हासिल करने के बहुत करीब था। रूटे ने कहा, 'ईरान के पास परमाणु क्षमता होना पूरी दुनिया के लिए, खासकर इस इलाके, इजरायल और यूरोप के लिए, बल्कि बाकी दुनिया के लिए भी खतरा होगा। यह मुद्दा सिर्फ क्षेत्रीय सुरक्षा तक ही सीमित नहीं है। यह सुरक्षा से संबंधित है। ' राष्ट्रपति ट्रंप से मिनाब के एक स्कूल पर हुए हमले की जांच के बारे में भी पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि वे कभी उस समस्या का समाधान करेंगे, यह किसकी गलती थी।

नेपाल के पूर्व वित्त मंत्री विष्णु पौडेल की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट का कारण बताओ आदेश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तार किए गए पूर्व वित्त मंत्री विष्णु पौडेल की ओर से दायर याचिका पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश श्रीकांत पौडेल की एकल पीठ ने गुरुवार को नेपाल सरकार, नेपाल पुलिस और संपत्ति शुद्धिकरण विभाग को लिखित जवाब पेश करने का आदेश देते हुए पूछा है कि याचिकाकर्ता द्वारा मांगी गई जमानत क्यों न दी जाए। यह याचिका बुधवार को विष्णु पौडेल की पत्नी डोमाया पौडेल ने दायर की थी। याचिका में उनकी हिरासत को चुनौती देते हुए तत्काल रिहाई की मांग की गई है। याचिका में दावा किया गया है कि विष्णु पौडेल को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में रखा गया है और उनकी निरंतर हिरासत पर रोक लगाने का आदेश मांगा गया है। याचिका में विशेष अदालत, प्रधानमंत्री कार्यालय, गृह मंत्रालय, नेपाल पुलिस और संपत्ति शुद्धिकरण विभाग को प्रतिवादी बनाया गया है। विष्णु पौडेल को 22 जून को सुर्खेत से उस समय गिरफ्तार किया गया था जब वह पार्टी के एक कार्यक्रम में भाग ले रहे थे।

बजट के तीन महीने बाद पूरक मांगें क्यों शिवसेना क्र्ज ने महायुति सरकार को घेरा पूछे ये सवाल

मुंबई ,एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र की महायुति सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने दावा किया कि सरकार ने बजट पेश होने के महज तीन महीने बाद ही 97,706.40 करोड़ रुपए की पूरक मांगें पेश कर दी हैं। पार्टी के अनुसार यह कदम राज्य के गिरते वित्तीय अनुशासन को साफ तौर पर उजागर करता है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में लिखा गया कि महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था पूरी तरह तबाह हो चुकी है। राज्य पर सार्वजनिक कर्ज करीब 11 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। हर साल केवल ब्याज चुकाने में ही 60,000 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। सरकार सरकारी खजाने से मनमाने ढंग से पैसा लुटा रही है। संपादकीय में सरकार की तुलना उस छात्र से की गई है जो परीक्षा में एक के बाद एक सप्लीमेंट्री कॉपी जोड़ता है, लेकिन अंत में मुश्किल से पास हो पाता है। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि बजट के तुरंत बाद इतनी बड़ी रकम की मांग करना किसी भी सरकार के लिए शर्मनाक बात है। पिछले चार वर्षों में महायुति सरकार ने लगभग पांच लाख करोड़ रुपए की पूरक मांगें पेश की हैं। पार्टी ने इसे बजट से अधिक खर्च करने का एक विश्व रिकॉर्ड बताया है। पार्टी का आरोप है कि सरकार जानबूझकर मुख्य बजट में जरूरी आवंटन छिपाती है। बाद में राजनीतिक फायदे के लिए पूरक मांगों के रास्ते हजारों करोड़ रुपए मांगे जाते हैं। इस बार तो सरकार ने सारी हदें पार कर दीं।

ईरान पर ट्रंप के एक्शन के समर्थन में उतरे नाटो प्रमुख, बोले- दुनिया की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा रहे अमेरिकी राष्ट्रपति

द्ववाशिंगटन, एजेंसी। नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) के महासचिव मार्क रूटे ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति और कार्रवाई का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के कदम ने ईरान को परमाणु हथियार क्षमता हासिल करने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ट्रंप नाटो और ट्रांस-अटलांटिक गठबंधन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। व्हाइट हाउस में बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप के साथ संयुक्त रूप से मीडिया के सामने आए मार्क रूटे ने अगले महीने अंकारा में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन से पहले ईरान के मुद्दे पर अमेरिकी नेतृत्व की सराहना की। मार्क रूटे ने कहा, 'मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि ईरान के मुद्दे पर आप जो कर रहे हैं, वह बेहद महत्वपूर्ण है।' उन्होंने ईरान को ऐसा देश बताया जो 'अराजकता और आतंकवाद का निर्यात' करता है। मार्क रूटे के मुताबिक, ईरान परमाणु क्षमता हासिल करने के बेहद करीब पहुंच चुका था।

उन्होंने कहा कि यदि ईरान के हाथ परमाणु हथियार लग जाता तो यह सिर्फ मध्य पूर्व या इजरायल के लिए ही नहीं बल्कि यूरोप और पूरी दुनिया के लिए गंभीर खतरा बन जाता। मार्क रूटे ने कहा कि यह कार्रवाई किसी क्षेत्रीय राजनीति का हिस्सा नहीं थी, बल्कि वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता से जुड़ा कदम था।

मार्क रूटे ने कहा, 'यह सुरक्षा और लोगों की रक्षा का मामला है। यह मुक्त दुनिया के नेता की जिम्मेदारी है, जो केवल अमेरिका ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की सुरक्षा के लिए कदम उठा रहा है। '

वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कुछ यूरोपीय देशों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि संघर्ष के दौरान अमेरिका को अपने सहयोगियों से अपेक्षित समर्थन नहीं मिला। ट्रंप ने कहा, 'हम निराश हुए। हमें किसी मदद की जरूरत नहीं थी। हमने पहले ही सप्ताह में उन्हें पूरी तरह कमजोर कर दिया था, लेकिन अच्छा होता अगर हमारे सहयोगी कहते कि हम मदद करना चाहते हैं। '

इस पर मार्क रूटे ने माना कि कुछ मामलों में निराशा की वजह रही, लेकिन उन्होंने इसे अलग-थलग घटनाएं बताईं। उन्होंने कहा कि कई यूरोपीय देशों ने द्विपक्षीय समझौतों के जरिए अमेरिकी अभियानों को सहयोग दिया। मार्क रूटे के अनुसार, अभियान के दौरान 4,000 से 5,000 अमेरिकी विमान यूरोप के एयरबेस से उड़ान भर चुके थे, जिससे अमेरिका की सैन्य कार्रवाई को महत्वपूर्ण समर्थन मिला।

बाद में वेस्ट विंग के बाहर पत्रकारों से बातचीत में रुटे ने दोहराया कि ट्रंप नाटो गठबंधन के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप लगातार सहयोगी देशों से रक्षा खर्च बढ़ाने की मांग करते रहे हैं और 2035 तक जीडीपी का 5 प्रतिशत रक्षा एवं सुरक्षा पर खर्च करने का लक्ष्य उनकी बड़ी विदेश नीति उपलब्धियों में से एक है।

मार्क रूटे ने बताया कि यूरोपीय देशों और कनाडा ने पिछले एक साल में अपने रक्षा खर्च में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी रक्षा कंपनियों से यूरोपीय देशों की खरीद और निवेश के कारण अमेरिका में करीब 2 लाख नौकरियों को समर्थन मिल रहा है।

नाटो महासचिव ने यूक्रेन को समर्थन जारी रखने की भी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पिछले पांच से छह महीनों में यूक्रेन की स्थिति पहले की तुलना में काफी बेहतर हुई है और इसमें अमेरिकी सहायता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

7 से 8 जुलाई को अंकारा में होने वाला नाटो शिखर सम्मेलन रक्षा खर्च बढ़ाने, रक्षा उत्पादन क्षमता का विस्तार करने और यूक्रेन को निरंतर समर्थन देने जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहेगा। नाटो लगातार यह दोहराता रहा है कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिए जाएंगे, और मार्क रूटे ने वाशिंगटन दौरे के दौरान भी इस रुख को मजबूती से दोहराया।

नीट परीक्षा में गड़बड़ी पर कांग्रेस का केंद्र सरकार पर हमला, निष्पक्ष जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिला कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार को देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में कथित गड़बड़ियों, पेपर लीक और धांधली के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाए प्रेस वार्ता में शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सिंह चौहान ने कहा कि देशभर के लाखों छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम कर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी करते हैं लेकिन मौजूदा परीक्षा प्रणाली में व्याप्त अव्यवस्था और कथित भ्रष्टाचार के कारण उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे मामलों से छात्रों का मनोबल टूट रहा है और व्यवस्था पर से भरोसा कम हो रहा है जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष सरस्वती सिंह ने कहा कि परीक्षाओं की पवित्रता बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है लेकिन मौजूदा स्थिति में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी स्पष्ट दिखाई देती है उन्होंने मांग की कि परीक्षा प्रणाली में तत्काल सुधार किए जाएं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कांग्रेस सेवादल ग्रामीण अध्यक्ष रुपेश चंद्र पांडे ने कहा कि कई परिवार अपनी पूरी जमा पूंजी बच्चों की शिक्षा और कोचिंग पर खर्च करते हैं लेकिन पेपर लीक और धांधली की खबरें सामने आने पर उनका भरोसा टूट जाता है उन्होंने कहा कि इससे न केवल अभिभावक बल्कि छात्र भी मानसिक रूप से प्रभावित होते हैं।

सिंगरौली में पत्थर से सिर कुचलकर पति की हत्या पत्नी, प्रेमी समेत तीन गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। चितरंगी थाना क्षेत्र में पति की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि पत्नी ने अपने प्रेमी और उसके साथी के साथ मिलकर पति की बेरहमी से हत्या कर दी और शव को हाईवे किनारे फेंककर इसे सड़क हादसा दिखाने की कोशिश की।

पुलिस के अनुसार रविवार को नेशनल हाईवे-39 के किनारे रघुनाथ उर्फ सरजू खेवार (38) का शव संदिग्ध हालत में मिला था चार दिन की जांच के बाद पुलिस ने गुरुवार को मामले का खुलासा किया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जांच में सामने आया कि मृतक की पत्नी रामकली (30) का नीरज कुमार शाह (23) से प्रेम संबंध था। दोनों ने रघुनाथ को रास्ते से हटाने की साजिश रची। योजना के तहत शराब पिलाने के बहाने उसे हाईवे किनारे बुलाया गया जहां पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी गई। इसके बाद शव को सड़क किनारे एक बोल्डर के पीछे फेंक दिया गया ताकि मामला हादसा लगे पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त सामग्री भी बरामद कर ली है। एसडीओपी राहुल संयम ने बताया कि मृतक की पत्नी रामकली, उसका प्रेमी नीरज कुमार शाह और उसका साथी सूरज सिंह गोंड को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है।

अनुसूचित जाति छात्रावास में बड़ी अनियमितताएं उजागर

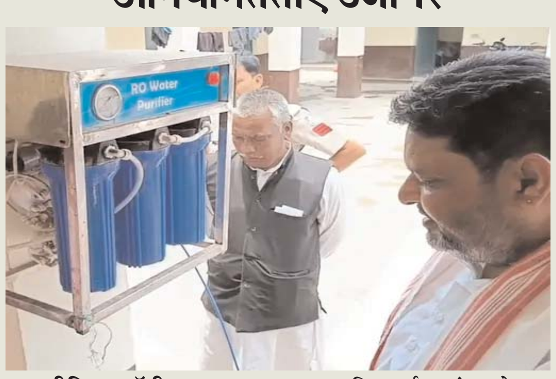

मीडिया ऑडीटर, सतना, (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कैलाश जाटव के औचक निरीक्षण में शहर के कृष्ण नगर स्थित अनुसूचित जाति छात्रावास में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। निरीक्षण के दौरान वित्तीय गड़बड़ियों से लेकर मूलभूत सुविधाओं की कमी तक कई खामियां उजागर हुईं जिसके बाद तत्काल जांच के निर्देश दिए गए हैं निरीक्षण के दौरान आरओ मेंटेनेंस के नाम पर 13 हजार रुपये के कथित फर्जी बिल का मामला सामने आया छात्रावास अधीक्षक द्वारा बताया गया कि हाल ही में आरओ की सर्विस कराई गई है जबकि दस्तावेजों में 13 हजार रुपये का भुगतान दर्शाया गया। आयोग अध्यक्ष द्वारा संबंधित कंपनी से संपर्क किए जाने पर पता चला कि वास्तविक बिल मात्र 4500 रुपये का था छात्रों ने भी पुष्टि की कि आरओ लंबे समय से बंद पड़ा था।

लाइब्रेरी का हाल भी चौंकाने वाला पाया गया। निरीक्षण के दौरान लाइब्रेरी कक्ष में किताबों की जगह कबाड़ भरा मिला और उचित पुस्तकालय व्यवस्था नहीं पाई गई इससे छात्रावास में शैक्षणिक संसाधनों की गंभीर कमी उजागर हुई। छात्रों से बातचीत में यह भी सामने आया कि कई पलंग टूटे हुए हैं और पर्याप्त बिस्तरों की व्यवस्था नहीं है स्थिति ऐसी है कि छात्रों को मजबूरी में अपने घर से कंबल, गद्दे और अन्य सामान लाना पड़ रहा है इसके अलावा मेस में बड़ी अनियमितता उजागर हुई, जहां वर्ष 2022 में लगाए गए 12 पंखे मौके से गायब पाए गए। गर्मी में बिना पंखों के भोजन करने की स्थिति पर आयोग अध्यक्ष ने कड़ी नाराजगी जताई और अधीक्षक को फटकार लगाई।

निरीक्षण के दौरान छात्रावास प्रबंधन द्वारा आरओ को अचानक चालू दिखाने का प्रयास भी सामने आया जबकि वह लंबे समय से बंद था इस पर आयोग अध्यक्ष ने इसे गंभीर लापरवाही और वित्तीय अनियमितता मानते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कैलाश जाटव ने मौके से ही कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. से फोन पर चर्चा की और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए निरीक्षण में उजागर हुई खामियों ने छात्रावास की व्यवस्थाओं, पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब प्रशासनिक जांच रिपोर्ट और आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से योजनाओं की समीक्षा की, शिक्षा और स्वास्थ्य सुधार पर विशेष जोर

कलेक्टरों को सीएम हेल्पलाइन, आपदा प्रबंधन और सुशासन पर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की बैठक में उन्होंने कलेक्टरों को सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा आमजन के कल्याण से जुड़े कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने स्पष्ट कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए और यह ध्यान रखा जाए कि कोई भी शिकायत 50 दिन से अधिक लंबित न रहे उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समय पर समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। शिक्षा और स्वास्थ्य सूचकांकों में अपेक्षित सुधार न होने पर उन्होंने चिंता व्यक्त की और सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया कि इन दोनों विभागों की नियमित मासिक समीक्षा की जाए। स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग की विकासखंड स्तर पर संयुक्त बैठकें आयोजित कर विस्तृत समीक्षा करने के निर्देश दिए गए साथ ही विभागीय ऐप में दर्ज डाटा का विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया उन्होंने गर्भवती महिलाओं के शत-प्रतिशत पंजीयन, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा एनीमिक महिलाओं को समय पर उपचार सहायता उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया। इसके अलावा आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए बाढ़ राहत और आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समय से समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि की स्थिति में राहत शिविरों की स्थापना, बचाव दलों की तैनाती और सभी आवश्यक संसाधनों की पूर्व तैयारी सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी स्थिति में जन-धन की हानि न्यूनतम रहे। मुख्य सचिव ने नशे के खिलाफ अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों के आसपास ड्रग फ्री जोन बनाए जाएं तथा एनकोर समिति की नियमित मासिक बैठकें आयोजित कर नशा विरोधी अभियान को गति दी जाए इसके साथ ही नवीन न्याय संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाने को भी कहा गया। उन्होंने खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए तथा पुलिस एवं अन्य विभागों के सहयोग से साइबर अपराध रोकने हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया शासकीय भूमि आवंटन से जुड़े प्रकरणों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए बैठक में बीएसएनएल टावर स्थापना से जुड़े आवेदनों का सात दिवस के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने तथा टावरों में किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ या चोरी होने पर अनिवार्य रूप से एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए 15 जुलाई तक मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार हेतु नामांकन भेजने को कहा गया मुख्य सचिव ने शहरी क्षेत्र की प्रधानमंत्री श्रम मानधन योजना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, नशा एवं मिलावट विरोधी अभियान तथा हिरण्यगर्भा अभियान की भी समीक्षा की और इन सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। रीवा कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से प्रभारी कलेक्टर अक्षत जैन, पुलिस अधीक्षक गुरकरन सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त एल.एल. अहिरवार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि का किया अंतरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय से सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश के 33.92 लाख से अधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 203.56 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया इस पहल के तहत पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं सीधे बैंक खातों में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का आयोजन सीधी जिले में कलेक्टर कार्यालय स्थित सभागार में किया गया, जहां अधिकारियों एवं हितग्राहियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग धनंजय मिश्रा, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी धीरज द्विवेदी, प्रदीप द्विवेदी, सूरज सिंह सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। जिले के हितग्राहियों को मिली इस सहायता पर जानकारी देते हुए अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं उप संचालक धनंजय मिश्रा ने बताया कि सीधी जिले के कुल 35,223 पात्र हितग्राहियों के खातों में 2 करोड़ 11 लाख 33 हजार 800 रुपये की राशि अंतरित की गई है। यह राशि वृद्धजन, दिव्यांगजन, निराश्रित, परित्यक्ता एवं अन्य कमजोर वर्ग के नागरिकों के लिए आर्थिक संबल के रूप में कार्य करेगी उन्होंने बताया कि विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को राशि प्रदान की गई है इनमें मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन योजना के 672 हितग्राही, मंदबुद्धि/बहुविकलांग आर्थिक सहायता योजना के 1527 हितग्राही, सामाजिक सुरक्षा वृद्धावस्था पेंशन योजना के 7125 हितग्राही, परित्यक्ता पेंशन योजना के 275 हितग्राही, नि:शक्त पेंशन योजना के 7389 हितग्राही, दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन सहायता योजना के 2339 हितग्राही, कल्याणी पेंशन योजना के 15878 हितग्राही तथा मुख्यमंत्री अविवाहिता पेंशन योजना के 18 हितग्राही शामिल हैं।

खरीफ सीजन में किसानों को राहत: शनिवार को भी खुलेंगे उर्वरक वितरण केंद्र

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। खरीफ सीजन के दौरान किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं उन्होंने कहा कि जिले में वर्तमान में खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य तेजी से चल रहा है जिससे उर्वरकों की मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है ऐसी स्थिति में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए विशेष व्यवस्था की गई है कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि जिले के सभी उर्वरक वितरण केंद्र अब शनिवार के दिन भी नियमित रूप से खुले रहेंगे इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य किसानों को आवश्यक उर्वरक समय पर उपलब्ध कराना और आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना है उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीफ सीजन के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने जिला विपणन अधिकारी को निर्देशित किया है कि उनके अधीन संचालित सभी उर्वरक वितरण केंद्र निर्धारित समय के अनुसार शनिवार को भी कार्यरत रहें ताकि किसानों को मांग के अनुरूप उर्वरक आसानी से उपलब्ध हो सके। साथ ही सभी केंद्रों पर ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरक का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित बनी रहे कलेक्टर ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों को समय पर कृषि इनपुट उपलब्ध कराना है।

सहकारी समिति निर्वाचन के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तैनात

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1962 के प्रावधानों के तहत सहकारी समितियों के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है निर्वाचन कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी संजय गुप्ता द्वारा विभिन्न सहकारी समितियों के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जारी आदेश के अनुसार शिवाजी प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित समिति के संचालक मंडल के निर्वाचन हेतु सब ऑडिटर बीएल कनौजी को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है इसी प्रकार अपराजिता महिला प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित समिति तथा गरिमा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, रहट (रीवा) के संचालक मंडल चुनाव के लिए सहकारी निरीक्षक मनीष द्विवेदी को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त किशन महिला बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति, सेमरिया (जिला रीवा) के संचालक मंडल चुनाव हेतु भी बीएल कनौजी (सब ऑडिटर) को रिटर्निंग अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है वहीं विष्णुदेव परिवहन सहकारी समिति रीवा के संचालक मंडल के निर्वाचन के लिए वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एम.एल. साकेत को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने पर जोर: किसानों की आय बढ़ाने के लिए उत्पादन आयुक्त के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कृषि उत्पादन आयुक्त के.सी. गुप्ता ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रीवा एवं शहडोल संभाग के कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को किसानों की आय बढ़ाने के लिए परिणाम आधारित कार्ययोजना अपनाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि 'किसान समृद्ध होगा तभी प्रदेश समृद्ध होगा। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों का लगभग 46 प्रतिशत योगदान है इसलिए खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए नवाचार और विविधीकरण आवश्यक है उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को परंपरागत फसलों के साथ अधिक लाभ देने वाली दलहन, तिलहन एवं उद्यानिकी फसलों की ओर प्रेरित किया जाए। विशेष रूप से अरहर के रकबे में वृद्धि पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि पूसा-16 किस्म कम लागत में चार माह में तैयार हो जाती है जिसके बाद किसान आसानी से गेहूं की फसल भी ले सकता है प्रत्येक जिले में कृषि एवं उद्यानिकी की विशिष्ट फसलों के लिए क्लस्टर विकसित करने तथा फल, सब्जी, मसाला एवं फूलों की खेती को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि खेती को लाभकारी बनाने के लिए कृषि के साथ-साथ उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन को भी बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने प्रत्येक उद्यानिकी क्षेत्र विस्तार अधिकारी को 100 हेक्टेयर क्षेत्र में उद्यानिकी फसलों के विस्तार का लक्ष्य देने के निर्देश दिए। साथ ही सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री, किसान सम्मान निधि, एग्रीस्टैक के अंतर्गत ई-केवाईसी पूर्ण कराने तथा गिरदावरी में उद्यानिकी फसलों का क्षेत्र अनिवार्य रूप से दर्ज करने पर जोर दिया गया। उर्वरक वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को केवल ई-विकास प्रणाली के माध्यम से ही उर्वरक वितरण किया जाए संभाग में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं।

भाजपा ने मनाया 'संविधान हत्या दिवस', आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ पर आयोजित हुई विचार गोष्ठी

रीवा में प्रदर्शनी का शुभारंभ, लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान और कई महिलाओं ने ग्रहण की भाजपा सदस्यता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ के अवसर पर गुरुवार को संभागीय कार्यालय अटल कुंज, ढेकहा रीवा में 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पर आपातकाल से जुड़े घटनाक्रमों को प्रदर्शित करती प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया तथा विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने की जबकि सांसद जनार्दन मिश्रा सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे दीप प्रज्ज्वलन एवं फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया जिसे आमजन एवं कार्यकर्ताओं के लिए दर्शनार्थ खोला गया। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय बताते हुए कहा कि उस दौर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मौलिक अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर व्यापक प्रतिबंध लगाए गए थे उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए अनेक लोगों ने संघर्ष किया और जेल यात्राएं कीं। सांसद जनार्दन मिश्रा ने अपने संबोधन में आपातकाल के दौरान किए गए संवैधानिक और कानूनी बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए नागरिकों को जागरूक रहना चाहिए उन्होंने संविधान के महत्व और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने लोकतंत्र सेनानियों के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके संघर्ष और बलिदान के कारण देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था पुनर्स्थापित हो सकी उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए समाज को सदैव सजग रहना चाहिए कार्यक्रम के दौरान आपातकाल के समय संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों और उनके परिजनों का शॉल, श्रीफल और पुष्पवर्षा कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर कई महिलाओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण की समारोह में पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री बिजेन्द्र गौतम ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जिला मंत्री सुमन शुक्ला ने व्यक्त किया।

और कितने 'लाक्षागृह'

संपादकीय

यह अग्निकांड नहीं, हत्याकांड है। यह हादसा या दुर्घटना नहीं, कत्लेआम का बंदोबस्त है। यह आधुनिक दौर का 'लाक्षागृह कांड' है। ऐसी हत्याएं यहीं नहीं रुकेंगी, क्योंकि यह हमारी व्यवस्था की निरंतर नाकामी है। नगर निगम आंख मूंद कर सोया है, निर्लिप्त है, कोई चिंता-सरोकार नहीं है। बिजली विभाग को करंट दो, क्योंकि वह सन्नाटे में बेसुध है। फायर ब्रिगेड के भीतर जान बचाने का जज्बा बुझ चुका है। ये विभाग और बड़े अधिकारी सिर्फ 'चाय-पानी' की प्रतीक्षा में हैं। उनकी औलादें विदेश में या बेहतर व्यवस्था के संस्थानों में कम्प्यूटर पर खेल रही हैं। आग विदेश में भड़कती है, धुआं वहां भी काला और दमघोंटू होता है। 'लाक्षागृह' स्तरीय संस्थानों में भी बनाए जा सकते हैं। एक बार किसी मंत्री, मुख्यमंत्री, मेयर, सचिव, निदेशक का बच्चा ऐसे 'लाक्षागृह' में फंसना चाहिए, लेकिन उसके दम घुटने अथवा जिंदा जल जाने की कल्पना भी हम नहीं करेंगे। 'लाक्षागृह' लखनऊ में ही नहीं हैं। इसी महीने की शुरुआत में राजधानी दिल्ली के एक 'गेस्ट हाउस' में अग्निकांड हो गया था। 21-22 निर्दोष, अतिथि मारे गए। राजधानी दिल्ली के विवेक विहार, पालम, द्वारिका आदि में भी कई लोग जिंदा जल कर खाक हो गए। उनकी क्षतिपूर्ति 5-10 लाख रुपए आंकी गई और अध्याय खत्म..! फिर एक और 'लाक्षागृह' का इंतजार...! देश के आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, गुजरात आदि राज्यों में 'लाक्षागृह' धू-धू कर जले हैं। कितना होश आया, व्यवस्था बदली या बुलडोजर चलाए गए? देश में और कितने ऐसे 'लाक्षागृह' हैं, कोई नहीं बता सकता। ईश्वर भी असहाय साबित होंगे। जांच के नाम पर कुछ ढोंग किए जाते हैं, कुछ इमारतें सील की जाती हैं, छोटे कर्मचारी निलंबित कर दिए जाते हैं, बस...हो गया न्याय! सरकारें मुआवजे बांटने को लालायित रहती हैं। शायद उनसे भी वोट मिलते होंगे! सरकारें अवैध, अतिक्रमण वाले, असुरक्षित, बिन अग्निशमन सिस्टम के, बड़े-बड़े निर्माणों, इमारतों, होटलों, मॉल, अस्पताल, स्कूल-कॉलेज की तरफ आंख उठा कर भी नहीं देखतीं, क्योंकि 'चाय-पानी' मिल चुका होता है।

हमारी संपूर्ण व्यवस्था ही बेईमान, भ्रष्ट, नालायक और सुप्तावस्था में है। नतीजतन 'लाक्षागृह' बनते जा रहे हैं। लखनऊ में भी कुछ अधिकारियों को निलंबित करने से कुछ नहीं होगा। जिनके कार्यकाल में ये 'लाक्षागृह' बनाए गए हैं, उन्हें सरकारी सेवाओं से, तुरंत प्रभाव से, बर्खास्त कर देना चाहिए। सरकारें अदालती चुनौतियों को भी झेलें और उन्हें यथार्थ से अवगत कराएं। सरकारों को ऐसा दंडात्मक रुख अख्तियार करना पड़ेगा। 'लाक्षागृह' में आग लगने से 2005-15 में सालाना 17,700 से अधिक मौतें हुई हैं। 2015-24 के दौरान 10,909 मौतें...! अर्थात 25-30 'लाक्षागृह मौतें' हररोज...! कितना खौफनाक, त्रासद आंकड़ा है यह? 2024 की रपट भी सामने है, जिसके मुताबिक उस साल 5971 'लाक्षागृह कांड' हुए, जिनमें 5888 मौतें हुईं। क्या ऐसा देश 'विश्व-गुरु' होने की खुशफहमी भी पालने लायक है? 'स्मार्ट सिटी' बनाने की परियोजना ही बंद कर देनी चाहिए, क्योंकि हम ऐसा ढांचा बनाने में अक्षम हैं।

क्या आरएसएस की फंडिंग और संपत्तियों को सार्वजनिक करने की मांग सिर्फ राजनीति या गंभीर मुद्दा?

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में सार्वजनिक जीवन से जुड़े संगठनों की पारदर्शिता का प्रश्न समय-समय पर उठता रहा है। हाल ही में कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंका खरगे द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की फंडिंग, आय-व्यय, संपत्तियों और कर अनुपालन की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग ने एक नई बहस को जन्म दिया है। प्रश्न यह है कि क्या यह केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का हिस्सा है या वास्तव में लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता से जुड़ा गंभीर मुद्दा? लोकतंत्र में पारदर्शिता किसी भी संस्था की विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण आधार होती है। राजनीतिक दलों, गैर-सरकारी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने वित्तीय स्रोतों और व्यय का स्पष्ट लेखा-जोखा रखें। यदि कोई संगठन समाज और सार्वजनिक नीति पर व्यापक प्रभाव रखता है, तो उसके वित्तीय संचालन को लेकर प्रश्न उठना स्वाभाविक माना जा सकता है।

दूसरी ओर, आरएसएस स्वयं को एक सांस्कृतिक और सामाजिक संगठन बताता है, न कि राजनीतिक दल। संघ का कहना रहा है कि उसकी गतिविधियां स्वयंसेवकों के सहयोग और समाज से प्राप्त योगदान के आधार पर संचालित होती हैं तथा वह कानून के अनुसार आवश्यक अनुपालनों का पालन करता है। संघ के समर्थकों का तर्क है कि केवल आरएसएस को निशाना बनाना राजनीतिक प्रेरणा से प्रेरित प्रतीत होता है, जबकि देश में हजारों अन्य सामाजिक, धार्मिक और वैचारिक संगठन भी सक्रिय हैं। यहीं से यह मुद्दा राजनीतिक रंग ले लेता है। चूंकि आरएसएस को व्यापक रूप से भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक प्रेरणा का स्रोत माना जाता है, इसलिए उसके वित्तीय मामलों पर उठने वाले सवाल अक्सर राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। विपक्ष इसे जवाबदेही का प्रश्न बताता है, जबकि समर्थक इसे वैचारिक विरोध का परिणाम मानते हैं। वास्तविकता यह है कि पारदर्शिता की मांग को केवल राजनीति कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यदि किसी संगठन की गतिविधियां व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय प्रभाव रखती हैं, तो उसके वित्तीय ढांचे के बारे में जानकारी सार्वजनिक होने से जनता का विश्वास बढ़ सकता है। लेकिन यह सिद्धांत केवल आरएसएस पर ही नहीं, बल्कि सभी बड़े सामाजिक, धार्मिक, वैचारिक और राजनीतिक संगठनों पर समान रूप से लागू होना चाहिए। भारत में समस्या यह है कि पारदर्शिता की मांग अक्सर चयनात्मक दिखाई देती है। जब सवाल केवल विरोधी विचारधारा वाले संगठनों पर उठाए जाते हैं और अपने निकट संगठनों पर नहीं, तब मांग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। इसलिए आवश्यक है कि वित्तीय पारदर्शिता के लिए एक समान और सार्वभौमिक मानक विकसित किया जाए, जो सभी संस्थाओं पर समान रूप से लागू हो।

आरएसएस की फंडिंग और संपत्तियों को सार्वजनिक करने की मांग में राजनीति का तत्व अवश्य मौजूद है, क्योंकि यह एक राजनीतिक संदर्भ में उठाई गई है। किंतु इसके मूल में छिपा पारदर्शिता और जवाबदेही का प्रश्न लोकतंत्र के लिए गंभीर और महत्वपूर्ण विषय है। लोकतंत्र में किसी भी संस्था की विश्वसनीयता उसके कार्यों के साथ-साथ उसकी पारदर्शिता से भी तय होती है। इसलिए बहस का केंद्र किसी एक संगठन को घेरना नहीं, बल्कि सभी प्रभावशाली संस्थाओं के लिए समान जवाबदेही सुनिश्चित करना होना चाहिए। यही लोकतांत्रिक मूल्यों और सुशासन की वास्तविक कसौटी है।

लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही किसी भी बड़े संगठन की विश्वसनीयता को मजबूत करती है। जब राजनीतिक दलों, गैर-सरकारी संगठनों , ट्रस्टों और कंपनियों से वित्तीय विवरण सार्वजनिक करने की अपेक्षा की जाती है, तब स्वाभाविक रूप से इतने बड़े प्रभाव वाले संगठन के संबंध में भी यही मांग उठती है। समर्थकों का तर्क है कि यदि संघ अपनी आय के स्रोत, दानदाताओं की श्रेणियां, संपत्तियों का विवरण और कर संबंधी अनुपालन की जानकारी सार्वजनिक करता है, तो इससे उसके प्रति जनता का विश्वास और अधिक बढ़ेगा। दूसरी ओर, संघ का पक्ष यह रहा है कि वह स्वयं को एक स्वैच्छिक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन मानता है और कानून के तहत जिन सूचनाओं को उपलब्ध कराना आवश्यक है, उनका पालन करता है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा प्रतिभा केंद्र और उज्ज्वल भविष्य की नई शक्ति

कांतिलाल मांडोत

इक्कीसवीं सदी में यदि किसी देश ने अपनी प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को प्रभावित किया है तो वह भारत है। कभी ऐसा समय था जब देश के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक इंजीनियर शोधकर्ता और तकनीकी विशेषज्ञ बेहतर अवसरों की तलाश में विदेशों की ओर जाते थे। उस दौर में इसे ब्रेन ड्रेन कहा जाता था और चिंता जताई जाती थी कि देश की सबसे मूल्यवान संपत्ति विदेशों की प्रगति में योगदान दे रही है। लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। भारत अब केवल प्रतिभा देने वाला देश नहीं रहा बल्कि प्रतिभाओं को वापस आकर्षित करने वाला विश्व का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है।

आज दुनिया के विकसित देशों में भारतीय प्रतिभा की धाक है। अमेरिका ब्रिटेन कनाडा ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी देशों की बड़ी कंपनियों में भारतीय पेशेवर नेतृत्वकारी भूमिकाओं में कार्य कर रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता विज्ञान इंजीनियरिंग चिकित्सा और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट हब कहा जा रहा है।

हाल के वर्षों में एक नई और उत्साहजनक प्रवृत्ति देखने को मिली है। बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर विदेशों से वापस अपने देश लौट रहे हैं। वे केवल नौकरी करने नहीं आ रहे बल्कि भारत में अवसरों का नया संसार खड़ा कर रहे हैं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में एक लाख बत्तीस हजार से अधिक उच्च कौशल वाले भारतीय पेशेवर अपने देश लौटे। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल सपनों का देश नहीं बल्कि सपनों को साकार करने का सबसे उपयुक्त स्थान बनता जा रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लौटने वाले भारतीय युवा उन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जो भविष्य की दिशा तय करेंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता डीप टेक सेमीकंडक्टर एयरोस्पेस क्लाइमेट टेक और उन्नत अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञ नई कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। वे रिसर्च लैब बना रहे हैं नई तकनीक विकसित कर रहे हैं और दुनिया की चुनौतियों के समाधान खोज रहे हैं। यह केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी पुनर्जागरण का संकेत है।

दुनिया भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विशेषज्ञों की संख्या सीमित है लेकिन उनमें भारतीयों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत एआई प्रतिभा उपलब्ध कराने वाले देशों में सबसे आगे है। भारतीय इंजीनियर और वैज्ञानिक वैश्विक तकनीकी विकास की रीढ़ बन चुके हैं। आज दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनियां भारतीय प्रतिभा के बिना अपनी कल्पना भी नहीं कर सकतीं। यह स्थिति भारत की शिक्षा व्यवस्था मेहनतकश युवाओं और ज्ञान आधारित संस्कृति की सफलता को दर्शाती है।

भारत की बढ़ती ताकत का एक कारण उसका विशाल युवा वर्ग भी है। देश की बड़ी आबादी युवा है और यह युवा वर्ग नई तकनीकों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है। भारतीय युवा केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहते बल्कि वे रोजगार देने वाले बनना चाहते हैं। स्टार्टअप संस्कृति ने इस सोच को नई दिशा दी है। देश में दो लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप सक्रिय हैं और इनमें से अनेक वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। यह उपलब्धि दर्शाती है कि भारत में नवाचार और उद्यमिता का वातावरण तेजी से मजबूत हो रहा है।

विदेशों से लौट रहे पेशेवरों के पीछे केवल भावनात्मक कारण ही नहीं हैं बल्कि भारत में उपलब्ध अवसर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विकसित देशों में आर्थिक मंदी और बदलती आव्रजन नीतियों ने भी लोगों को सोचने पर मजबूर किया है। दूसरी ओर भारत में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था मजबूत डिजिटल ढांचा और नवाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियां प्रतिभाओं को आकर्षित कर रही हैं। अब भारतीय विशेषज्ञों को लगता है कि वे अपने देश में रहकर भी विश्व स्तरीय उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। भारत सरकार ने भी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू की गई हैं। विदेशों से लौटने वाले शीर्ष वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को आकर्षक शोध अनुदान और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सस्ती सुपरकंप्यूटिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं जिससे युवा शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स को अत्यधिक लाभ मिल रहा है। सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास के लिए विशेष मिशन चलाए जा रहे हैं ताकि भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके। भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां प्रतिभा और अवसर का संगम तेजी से मजबूत हो रहा है। पहले प्रतिभा थी लेकिन अवसर सीमित थे। अब अवसर भी बढ़ रहे हैं और संसाधन भी उपलब्ध हो रहे हैं। यही कारण है कि दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली भारतीय अब यह नहीं पूछते कि भारत क्यों लौटें बल्कि वे यह सोचते हैं कि अपने भविष्य का निर्माण किसी दूसरे देश में क्यों करें। यह सोच भारत के प्रति बढ़ते विश्वास और गर्व का प्रतीक है। भारतीय प्रतिभा केवल आर्थिक विकास में योगदान नहीं दे रही बल्कि देश की वैश्विक प्रतिष्ठा भी बढ़ा रही है। जब कोई भारतीय वैज्ञानिक नई खोज करता है जब कोई भारतीय उद्यमी वैश्विक कंपनी खड़ी करता है या जब कोई भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ दुनिया की जटिल समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है तब पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ता है। आज भारत ज्ञान विज्ञान और नवाचार की शक्ति के रूप में पहचाना जा रहा है।

आने वाले वर्षों में भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता हरित ऊर्जा अंतरिक्ष विज्ञान जैव प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत के पास अपार संभावनाएं हैं। यदि देश इसी गति से आगे बढ़ता रहा तो वह केवल प्रतिभा उपलब्ध कराने वाला राष्ट्र नहीं रहेगा बल्कि विश्व के वैज्ञानिक और तकनीकी नेतृत्व का केंद्र बन जाएगा। आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है। यह ऐसा भारत है जो अपने युवाओं की क्षमता पर भरोसा करता है। यह ऐसा भारत है जो दुनिया को केवल मानव संसाधन नहीं बल्कि विचार नेतृत्व नवाचार और समाधान प्रदान कर रहा है। विदेशों से लौटती प्रतिभाएं इस बात का प्रमाण हैं कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है और दुनिया की अगली बड़ी सफलता की कहानी भारत की धरती पर लिखी जाएगी। भारत का यह परिवर्तन केवल आंकड़ों की कहानी नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास की कहानी है। यह उस नए भारत की कहानी है जो ज्ञान को शक्ति मानता है प्रतिभा को सम्मान देता है और अपने युवाओं को दुनिया बदलने का अवसर प्रदान करता है। यही कारण है कि आज भारत गर्व के साथ विश्व के सबसे बड़े प्रतिभा केंद्र के रूप में खड़ा है और आने वाला समय उसकी उपलब्धियों को और अधिक गौरवशाली बनाने वाला है।

क्या भारतीय महिलाओं की पहचान सोनम मुस्कान और सिया बनेंगी?

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब दो साल पहले हनीमून ट्रिप पर अपने पति राजा रघुवंशी को अपने प्रेमी के साथ मिल कर मौत के घाट उतारने वाली सोनम की तर्ज पर ही अब पुणे की एक युवती ने अपने आशिक के साथ मिलकर अपने अरबपति बिजनेसमैन मंगेतर को पहाड़ी से धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने घटना के पांच दिन बाद मामले की सघन जांच कर युवती सिया गोयल और उसके आशिक प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

यह वारदात समाज में पनप रहे लव अफेयर्स और प्रेमी को पाने के लिए हिंसा की ओर प्रवृत होती युवा पीढ़ी का अनावरण करती है वहीं दूसरी ओर इश्क के जुनून में बेगुनाह मंगेतर और पति के कत्ल से भी गुरेज नहीं करने वाली कथित एलीट एजुकेटेड बिंदास लड़कियों के व्यवहार में हो रहे बर्बरता भरे हिंसक व्यवहार का भी खुलासा करती है।

सावधान यदि आप किसी लड़की के रंगरूप आकर्षक शरीर सौष्ठव भोले चेहरे को देख कर अपना जीवन साथी बना रहे हैं तो पहले उसके बीते और वर्तमान दिनचर्या की ढंग से पड़ताल कर लें अन्यथा इंदौर के राजा रघुवंशी और पुणे के केतन अग्रवाल की तरह अपनी मंगेतर सिया या सोनम के हाथों जान गंवा सकते हैं।

पहले ये सब फिल्मी परदे या ओटीटी चैनल पर देखने को मिलता था लेकिन अब आए दिन कथित माडर्न लिबरल गर्ल्स से लेकर अनपढ़ गंवार समझी जाने वाली ग्रामीण युवतियां भी अपने प्रेमियों के हाथों पति का नृशंस कत्ल करा कर फर्जी कहानियां गढ़ कर मगरमच्छी आंसू बहा देती है। बाद में पुलिस इन वारदातों का अनावरण कर ऐसा सच सामने लाती है कि कलेजा कांप जाता है।

महाराष्ट्र के पुणे से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। पुणे के एक नामी रियल एस्टेट कंपनी के डायरेक्टर केतन विशाल अग्रवाल के हत्या के मामले में अब जैसे-जैसे खुलासे सामने आ रहे हैं, वैसे-वैसे ये मामला और बड़ा और भयावह बनता जा रहा हैशुरुआत से बात करें तो केतन की मौत लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से हुई और इसे पहले महज एक हादसा समझा जा रहा था, लेकिन अब जब सच सामने आया तब यह हत्या का मामला बन गया है। मामले में पुलिस ने केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही दोनों आरोपियों को सात दिन की पुलिस हिरासत भेजा गया है। बता दें कि केतन और सिया की सगाई इसी साल फरवरी में हुई थी और नवंबर में राजस्थान के एक महल में उनकी शाही शादी होने वाली थी। दोनों 6 जून को प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए इंडोनेशिया के बाली जाने वाले थे।खबरों के मुताबिक दोनों परिवारों ने राजस्थान में शादी के लिए 17 करोड़ रुपये में एक महल बुक किया था और मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए दो प्राइवेट प्लेन का भी इंतजाम किया गया था। बाली जाने के लिए जब वे मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे, तो बाकी सबके पासपोर्ट सुरक्षित थे, लेकिन सिर्फ केतन का पासपोर्ट गायब था। यह सिया गोयल की जानबूझकर साजिश थी ताकि पासपोर्ट न होने के कारण केतन बाली नहीं जा सका और उसे एयरपोर्ट से वापस लौटना पड़ा। पिता का आरोप है कि यह पूरी तरह सोची-समझी साजिश थी ताकि ट्रिप कैंसिल हो जाए।जानकारी के अनुसार बाली ट्रिप कैंसिल होने के बाद सिया ने एक नया प्लान बनाया। 19 जून को सिया का जन्मदिन था। केतन के पिता के मुताबिक, सिया ने जिद की और झगड़ा करके केतन को 18 जून को ही प्री-बर्थडे सेलिब्रेशन के लिए पुणे के पास लोहगढ़ किले चलने के लिए राजी कर लिया। इसके बाद केतन 18 जून की सुबह 8:20 बजे घर से निकला। करीब ढाई घंटे बाद, सुबह 10:45 बजे सिया की मां का फोन केतन के परिवार के पास आया कि केतन लोहगढ़ किले की घाटी में गिर गया है। सिया ने पुलिस को बताया कि तेज हवाओं के कारण पैर फिसलने से केतन 400 फीट गहरी खाई में गिर गया।

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगी कब जागेगा तंत्र?

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है।

ललित गर्ग

राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है-'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'कड़ी कार्रवाई होगी'। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जैबें गर्म करते रहना है?

वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है। अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित है? हम स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी और विश्वस्तरीय शहरों के निर्माण की बात करते हैं, लेकिन यदि नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे विकास का क्या अर्थ है? किसी भी सभ्य समाज की पहली पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा होती है। यदि एक कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल या मॉल भी सुरक्षित नहीं है, तो हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। आज आवश्यकता केवल दोष निर्धारण की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले देशभर में सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, मॉल, होटल और सार्वजनिक स्थलों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन संस्थानों के पास अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं हैं या जो मानकों का पालन नहीं करते, उन्हें तत्काल बंद किया जाना चाहिए। दूसरे, अग्निशमन विभाग को आधुनिक संसाधनों और पर्याप्त मानवबल से सुसज्जित करना होगा। अनेक रिपोर्टों के अनुसार देश में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायर कर्मियों की भारी कमी है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप अग्निशमन सेवाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। तीसरे, प्रत्येक सार्वजनिक भवन में हर छह माह में अनिवार्य मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय संयमपूर्वक अपनी सुरक्षा कर सकें। चौथे, जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल भवन स्वामी ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के उन अधिकारियों पर भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने लापरवाही बरती या नियमों की अनदेखी की। जब तक अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं बनाए जाएंगे, तब तक सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन की प्राथमिकता 'दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रिया' से बदलकर 'दुर्घटना से पूर्व की रोकथाम' पर केंद्रित होनी चाहिए। सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करना भी है। प्रशासन की सफलता मुआवजा राशि में नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने की क्षमता में निहित होती है। कोचिंग सेंटर, हॉस्पिटल, कारखाने, होटल आदि के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का स्थानीय प्रशासन को अंदाजा होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। जैसे-जैसे जीवन तेज़ होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है।

'मोर गांव मोर पानी' बनेगा जनआंदोलन: जल संरक्षण की दिशा में एमसीबी का बड़ा कदम

680 से अधिक माइक्रो वॉटरशेड क्षेत्रों में तैयार होगी व्यापक कार्ययोजना, कलेक्टर बोलीं- जल संरक्षण ही भविष्य की सबसे बड़ी सुरक्षा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। बदलती जलवायु, अनियमित वर्षा और लगातार बढ़ते जल संकट की चुनौतियों से निपटने के लिए मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिला प्रशासन ने जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वाकांक्षी पहल शुरू की है 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के माध्यम से जिले में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की तैयारी की जा रही है इसी उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यशाला एवं समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें जल सुरक्षा और जल संवर्धन को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, सभी एसडीएम, जनपद पंचायतों के सीईओ, तकनीकी अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे बैठक में जिले में जल संरक्षण के लिए दीर्घकालिक और प्रभावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में जल संरक्षण अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक गांव में जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण को सामाजिक आंदोलन का स्वरूप दिया जाए उन्होंने कहा कि जल संरचनाओं का निर्माण तभी सफल होगा जब स्थानीय समुदाय उनकी सुरक्षा और रखरखाव की जिम्मेदारी भी निभाए। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार एमसीबी जिला औसतन 1154 मिलीमीटर वार्षिक वर्षा प्राप्त करता है तथा जिले का लगभग 59 प्रतिशत हिस्सा वनाच्छादित है इसके बावजूद वर्षा जल का एक बड़ा हिस्सा बहकर बाहर निकल जाता है जिसके कारण गर्मियों में कई क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो जाती है अधिकारियों ने बताया कि सीमित समय में होने वाली भारी वर्षा के जल को संरक्षित करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जल संरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए जिले के भरतपुर, खड़गवां और मनेन्द्रगढ़ विकासखंडों में 680 से अधिक माइक्रो वॉटरशेड क्षेत्रों की पहचान की गई है इन क्षेत्रों में प्राकृतिक जल प्रवाह के अनुरूप जल संग्रहण और भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप मॉडल विकसित किए जाएंगे। अभियान के तहत खेत तालाब, कंटूर ट्रेंच, गली प्लग, परकोलेशन टैंक, स्टॉप डेम, एनीकट, चेक डेम, गेबियन संरचनाएं, रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग, जलाशयों का पुनर्जीवन और नालों के उपचार जैसे कार्य प्राथमिकता से किए जाएंगे इन प्रयासों से भू-जल स्तर में सुधार होगा तथा किसानों, पशुपालकों और ग्रामीणों को वर्षभर पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। बैठक में जल संरक्षण के साथ हरियाली बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया गया कलेक्टर ने कहा कि जल और जंगल एक-दूसरे के पूरक हैं इसी सोच के तहत जल स्रोतों के आसपास नीम, पीपल, आम, अमरूद, कटहल सहित अन्य उपयोगी पौधों का बड़े पैमाने पर रोपण किया जाएगा इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मिट्टी एवं जल संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी कलेक्टर ने कहा कि एल-नीनो और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों को देखते हुए जल संरक्षण कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करना जरूरी है उन्होंने ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं, विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी पर बल देते हुए कहा कि 'मोर गांव मोर पानी' केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि जल सुरक्षा और आत्मनिर्भर ग्रामीण विकास का जनआंदोलन है जनसहभागिता के माध्यम से एमसीबी जिला जल संरक्षण के क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित होगा।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वराज अभियान के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिला प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वराज अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ के सभाकक्ष में ग्राम पंचायतों में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत स्तर पर संचालित विकास योजनाओं की जानकारी को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाना था प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंचायत विकास योजना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को पंचायतों में विकास कार्यों की योजना निर्माण प्रक्रिया, जनभागीदारी की भूमिका, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों के चयन तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी दी गई अधिकारियों ने बताया कि पंचायत विकास योजना ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास का महत्वपूर्ण आधार है और इसके सफल क्रियान्वयन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), पोषण अभियान तथा अन्य प्रमुख ग्रामीण विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी साझा की गई प्रशिक्षकों ने कार्यकर्ताओं को योजनाओं के उद्देश्य, पात्रता और लाभों के बारे में विस्तार से बताया ताकि वे अपने क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों तक इन योजनाओं की जानकारी पहुंचा सकें स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्वच्छ ग्राम निर्माण में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया अधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और

कोचिंग संचालकों ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन: फायर सेफ्टी के नियम साफ बताने की रखी मांग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिला प्रशासन द्वारा फायर सेफ्टी मानकों का पालन न करने पर कई कोचिंग संस्थानों को सील करने के बाद जिले के कोचिंग संचालकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है इसी क्रम में गुरुवार को शिवपुरी प्राइवेट टीचर एसोसिएशन ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर फायर सेफ्टी संबंधी दिशा-निर्देशों को स्पष्ट करने की मांग की यह कार्रवाई लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में हुए अग्निकांड के बाद शुरू की गई है। प्रशासन का उद्देश्य विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है जिसके तहत जिले भर में फायर सेफ्टी मानकों का अनुपालन न करने वाले संस्थानों पर कार्रवाई की जा रही है। कोचिंग संचालकों ने लखनऊ की घटना पर दुख व्यक्त किया और विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए शासन के प्रयासों का समर्थन किया उन्होंने बताया कि सभी संचालकों ने अपनी क्षमता के अनुसार फायर सेफ्टी के इंतजाम करने का प्रयास किया है ।

जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न: हर हैंडपंप, बोरवेल और सोलर पंप के पास बनेगी वॉटर रिचार्ज संरचना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन और ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं, पेयजल व्यवस्थाओं तथा जल संरक्षण संबंधी गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई भरतपुर, खड़गवां और मनेन्द्रगढ़ विकासखंडों में चल रही योजनाओं की प्रगति का आकलन करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के तहत सीआईआरपी इम्प्लीमेंटेशन प्लान, सोलर संयंत्र स्थापना एवं भुगतान, एकल जल प्रदाय योजनाओं तथा विभिन्न वित्तीय प्रस्तावों का अनुमोदन करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों के कारण क्षतिग्रस्त हो रही पेयजल पाइपलाइनों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा इस पर कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को समन्वय स्थापित कर तत्काल सुधार कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क निर्माण के दौरान पाइपलाइन को हुए नुकसान की भरपाई संबंधित ठेकेदार द्वारा की जाएगी। साथ ही दोषी ठेकेदारों को नोटिस जारी करने और आवश्यकता पड़ने पर उनकी भुगतान राशि रोकने की कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर ने जिले के सभी हैंडपंपों, बोरवेलों तथा सोलर पंपों के समीप वॉटर रिचार्ज संरचनाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने हैंडपंपों का सर्वे कर उनकी स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराने तथा सभी जल स्रोतों के पास रिचार्ज व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया, जिससे भू-जल स्तर में वृद्धि हो सके और जल स्रोतों की स्थिरता बनी रहे।

पंचायत में काम न देने पर सरपंच पर हमला

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के झलवासा गांव में पंचायत में काम न देने के विवाद को लेकर सरपंच और उनके भाई पर हमला किया गया आरोप है कि गांव के दो व्यक्तियों ने सरपंच हरिबल्लभ धाकड़ और उनके भाई पर कुल्हाड़ी के बेंट और डंडे से वार किया इस घटना में दोनों घायल हो गए जिनका उपचार जिला अस्पताल में जारी है मामले में गुरुवार को बैराड़ थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है सरपंच हरिबल्लभ धाकड़ ने पुलिस को बताया कि मंगलवार रात करीब 8 बजे वे शिवपुरी से अपने घर झलवासा लौटे थे घर के बाहर उन्हें गांव के हरिबल्लभ जाटव और किलोई जाटव मिले दोनों ने पंचायत में काम न देने को लेकर उनसे विवाद शुरू कर दिया और गाली-गलौज करने लगे। सरपंच के विरोध करने पर हरिबल्लभ जाटव ने कुल्हाड़ी के बेंट से उनके सिर पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई और खून बहने लगा इसी दौरान, किलोई जाटव ने डंडे से उनके दोनों हाथों पर वार किया। जब सरपंच के भाई रिंकी बीच-बचाव करने पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई रिंकी के बाएं हाथ में डंडा लगने से चोट आई है घटना के समय हेमंत गोस्वामी और गणेश चिड़ार ने बीच-बचाव कर हमलावरों को रोका।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर प्रशासन का फोकस

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन, पारदर्शी प्रशासन और जनसमस्याओं के समयबद्ध समाधान के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए एमसीबी जिला प्रशासन द्वारा सीएम हेल्पलाइन 1076 में प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देशन में सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को शिकायतों का संवेदनशीलता, गंभीरता और गुणवत्ता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार जिले में अब तक सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से कुल 403 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 218 शिकायतें वर्तमान में लंबित हैं जबकि 19 शिकायतों का सफलतापूर्वक निराकरण कर उनका क्लोजर किया जा चुका है इसके अलावा 166 शिकायतों का समाधान होने के बाद संबंधित हितग्राहियों से फीडबैक प्राप्त किया जाना शेष है प्रशासन द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की नियमित समीक्षा की जा रही है विभागवार प्रकरणों की प्रगति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी शिकायत का निराकरण अनावश्यक रूप से लंबित न रहे अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करें और शिकायतकर्ताओं की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें। जिला प्रशासन का मानना है कि केवल शिकायतों का औपचारिक निस्तारण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि सुनिश्चित करना और उन्हें वास्तविक राहत प्रदान करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है इसी उद्देश्य से शिकायतों के समाधान के बाद हितग्राहियों से फीडबैक लेने की प्रक्रिया को भी गंभीरता से अपनाया जा रहा है मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है इसी दिशा में एमसीबी जिला प्रशासन सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है।

पार्षद के सूने मकान में बड़ी चोरी: तिजोरी, जेवर और बाइक लेकर फरार हुए बदमाश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पोहरी कस्बे में नगर परिषद के एक पार्षद के सूने मकान में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात बदमाश घर से करीब तीन क्विंटल वजनी लोहे की तिजोरी, सोने-चांदी के जेवरात और एक पल्सर मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। घटना के दौरान मकान में कोई मौजूद नहीं था क्योंकि परिवार कई दिनों से बाहर गया हुआ था पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार नगर परिषद पार्षद नीतू शर्मा 13 जून से अपने परिवार के साथ बाहर गए हुए थे घर में ताला लगा होने का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया पार्षद के भाई अनुज शर्मा ने पुलिस को शिकायत में बताया कि गुरुवार सुबह उनके चचेरे भाई हर्ष शर्मा ने फोन कर घर में चोरी होने की सूचना दी मौके पर पहुंचने पर देखा गया कि मकान के मुख्य दरवाजे का ताला और कुंडी टूटी हुई थी घर के अंदर कमरों की अलमारियों के ताले भी टूटे मिले और सामान बिखरा पड़ा था चोर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर, कीमती सामान और लगभग तीन क्विंटल वजनी लोहे की तिजोरी अपने साथ ले गए इसके अलावा गैलरी में खड़ी पल्सर मोटरसाइकिल (एमपी-33 एचबी-6543) भी चोरी कर ली गई। परिवार के बाहर होने के कारण चोरी गए जेवरात और अन्य सामान की सही कीमत और मात्रा का पता पार्षद नीतू शर्मा के वापस लौटने के बाद ही चल सकेगा।

लखनऊ अग्निकांड के बाद शिवपुरी में सख्ती: दो दिन में 18 कोचिंग सेंटर और 2 हॉस्टल सील

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। लखनऊ में हुए कोचिंग संस्थान अग्निकांड के बाद शिवपुरी जिले में शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक जांच शुरू कर दी गई है जिलेभर में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रशासन लगातार कोचिंग सेंटरों और छात्रावासों का निरीक्षण कर रहा है इसी क्रम में बुधवार को पोहरी अनुभाग के बैराड़ नगर में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 कोचिंग सेंटर और 2 हॉस्टलों को सील कर दिया। इसके एक दिन पहले शिवपुरी शहर में 12 कोचिंग संस्थानों पर कार्रवाई की गई थी इस प्रकार दो दिनों में कुल 18 कोचिंग सेंटर और 2 हॉस्टलों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार यह अभियान विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और नियमों के विपरीत संचालित संस्थानों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है बैराड़ में तहसीलदार द्रगपाल सिंह बैश के नेतृत्व में गठित प्रशासनिक टीम ने नगर क्षेत्र में संचालित विभिन्न कोचिंग संस्थानों और हॉस्टलों का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण दल में विकासखंड शिक्षा अधिकारी अवधेश सिंह तोमर, नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेशचंद्र जाटव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान टीम ने संस्थानों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, भवन संबंधी वैधानिक अनुमतियां, पंजीयन दस्तावेज, आपातकालीन निकास व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की गहन जांच की। अधिकारियों ने छात्रों की सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं का बारीकी से परीक्षण किया और संचालकों से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जांच में कई कोचिंग सेंटर और हॉस्टल संचालक आवश्यक अनुमति पत्र, पंजीयन प्रमाणपत्र तथा सुरक्षा संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके इसके अलावा कुछ संस्थानों में निर्धारित सुरक्षा मानकों और प्रशासनिक नियमों का पालन भी नहीं पाया गया कई स्थानों पर विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं अधूरी मिलीं इन गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से 6 कोचिंग सेंटर और 2 हॉस्टलों को सील कर दिया अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है किसी भी स्थिति में छात्रों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति या नियमों के विपरीत संचालित होने वाले संस्थानों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी प्रशासन का मानना है कि हाल के दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में शैक्षणिक संस्थानों में हुई दुर्घटनाओं ने सुरक्षा मानकों की अनिवार्यता को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से मिली राहत: एक सप्ताह में सुलझी छात्रवृत्ति भुगतान की समस्या

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की शिकायत का त्वरित निराकरण, हितग्राही ने जताया संतोष

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन, पारदर्शी प्रशासन और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के संकल्प को जिले में प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार सक्रिय है इसका एक सकारात्मक उदाहरण मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के मनेंद्रगढ़ निवासी साकेत जलतारे के मामले में देखने को मिला, जिनकी पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान संबंधी शिकायत का मात्र एक सप्ताह के भीतर समाधान कर दिया गया जानकारी के अनुसार, साकेत जलतारे ने अपनी पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान लंबित होने के कारण मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई थी छात्रवृत्ति की राशि समय पर प्राप्त नहीं होने से उन्हें शैक्षणिक गतिविधियों और अन्य आवश्यक खर्चों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था समस्या के समाधान के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का सहारा लिया और अपनी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होने के बाद प्रकरण को तत्काल संबंधित आदिम जाति विकास विभाग को प्रेषित किया गया विभागीय अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक दस्तावेजों और तथ्यों की जांच की इसके बाद आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी करते हुए शिकायत के निराकरण की कार्रवाई शुरू की गई विभाग की तत्परता और प्रशासन की सतत निगरानी के चलते एक सप्ताह के भीतर छात्रवृत्ति भुगतान से जुड़ी समस्या का समाधान सुनिश्चित कर दिया गया। शिकायत के निराकरण के पश्चात मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से हितग्राही से फीडबैक भी प्राप्त किया गया इस दौरान साकेत जलतारे ने बताया कि उनकी समस्या का सफलतापूर्वक समाधान हो चुका है और उन्हें छात्रवृत्ति भुगतान संबंधी राहत मिल गई है उन्होंने विभाग द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की सराहना की साथ ही उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से आम नागरिकों को अपनी समस्याएं शासन तक पहुंचाने और उनका समाधान प्राप्त करने में काफी सुविधा मिल रही है। जिला प्रशासन का कहना है कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का एक प्रभावी और विश्वसनीय मंच बनकर उभरी है इसके माध्यम से प्राप्त शिकायतों का संवेदनशीलता, गंभीरता और जवाबदेही के साथ निराकरण किया जा रहा है सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि शिकायतों के निपटारे में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रशासन के अनुसार मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का उद्देश्य केवल शिकायतों का निस्तारण करना नहीं बल्कि नागरिकों को वास्तविक राहत प्रदान करना और शासन के प्रति उनका विश्वास मजबूत करना भी है। साकेत जलतारे की शिकायत का त्वरित समाधान इस बात का प्रमाण है कि शासन की जनहितैषी पहलें आम लोगों तक प्रभावी रूप से पहुंच रही हैं। यह सफलता कहानी दर्शाती है कि यदि शिकायतों का गंभीरता से निराकरण किया जाए तो नागरिकों की समस्याओं का समाधान तेजी से संभव है और सुशासन की अवधारणा को व्यवहारिक रूप दिया जा सकता है मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 इसी दिशा में आमजन और प्रशासन के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य कर रही है।

खंडवा में बिजली गिरने से किसान की मौत

जामुन के पेड़ के नीचे खड़े थे काका-भतीजा, शहर में 2 इंच बारिश से उफान पर नाले

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले में मानसून की जोरदार बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से एक 45 वर्षीय किसान की मौत हो गई, जबकि उनका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, शहर में बुधवार शाम से गुरुवार सुबह तक 54 एमएम (दो इंच से ज्यादा) बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश के चलते शहर के मुख्य मार्गों पर जलभराव हो गया और तीन पुलिया क्षेत्र में तेज बहाव के कारण एक बाइक पानी में बह गई।

जिले के रोशनी पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम लखनपुर बंदी में किसान रामसिंह (45) और उनका भतीजा राकेश (25) खेत में बोवनी की तैयारी कर रहे थे। दोपहर में अचानक तेज बारिश शुरू होने पर दोनों खेत किनारे लगे एक जामुन के पेड़ के नीचे जाकर खड़े हो गए।

इसी दौरान पेड़ पर तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में आकर दोनों बुरी तरह झुलसकर खेत में गिर पड़े। हादसे में काका रामसिंह ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, वहीं गंभीर रूप से घायल भतीजे राकेश का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।नाले उफान पर, पानी के तेज बहाव में बही बाइक बुधवार शाम से शुरू हुई बारिश गुरुवार सुबह तक जारी रही। इस दौरान शहर में दो इंच से ज्यादा पानी गिरा, जिससे शहर के नाले उफान पर आ गए। बारिश के कारण शहर के मुख्य मार्गों पर जलभराव के हालात बन गए।

इसी जलभराव के बीच तीन पुलिया क्षेत्र में पानी के तेज बहाव में एक बाइक सवार युवक का संतुलन बिगड़ गया और वह फिसल गया। उसकी बाइक पानी में बह गई, लेकिन युवक ने समय रहते सूझबूझ दिखाई और सुरक्षित बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली।

28 जून से फिर रफ्तार पकड़ेगा मानसूनः रातभर की बारिश के बाद गुरुवार सुबह 8 बजे से बारिश रुक गई और मौसम साफ हो गया। हालांकि, आसमान में हल्के बादल छाए हुए हैं और हवा में तेज ठंडक बरकरार है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. सौरव गुप्ता ने बताया कि, 'गुरुवार को खंडवा से सटे जिलों में बारिश की संभावना है, जबकि खंडवा शहर में फिलहाल बारिश के आसार नहीं बन रहे हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, 28 जून के बाद मानसून फिर से सक्रिय होगा और तेज रफ्तार पकड़ेगा।

छतरपुर में नवविवाहिता का शव कुएं में मिला, मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में बुधवार को नवविवाहिता का शव कुएं में मिला है। घटना भगवां थाना क्षेत्र के टिकरी गांव की है। महिला की पहचान उमा अहिरवार (19) पत्नी नरेंद्र अहिरवार, निवासी टिकरी के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर भगवां थाना प्रभारी सुरभि शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं और शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू की।मायके पक्ष के लोगों ने हत्या का आरोप लगाया मायके पक्ष ने पति नरेंद्र अहिरवार और ससुर पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि उमा की हत्या करने के बाद शव को कुएं में फेंका गया है। मृतका के पिता ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

शव मिलने के बाद किया चक्काजामः आरोपियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज न होने से नाराज परिजनों ने अस्पताल तिराहे पर चक्काजाम कर दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर बड़ामलहरा थाना प्रभारी अरविंद सिंह दांगी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाइश दी। पुलिस अधिकारियों द्वारा निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद परिजनों ने जाम समाप्त कर दिया।पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। भगवां थाना प्रभारी सुरभि शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राजगढ़ में डॉक्टर से मारपीटः अस्पताल के बाहर इलाज से मना करने पर पूर्व विधायक समेत भाजपा नेताओं ने पीटा

मीडिया ऑडीटर, राजगढ (निप्र)। डॉक्टर ने अस्पताल के बाहर जाकर इलाज करने से मना किया तो भाजपा नेताओं ने पीट दिया। पीड़ित डॉक्टर ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर पूर्व विधायक रघुनंदन शर्मा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष केपी पंवार व भाजपा नेता श्याम गुर्जर पर अभद्रता और मारपीट का आरोप लगाया है। डॉक्टर के साथ भाजपा नेताओं की धक्कामुक्की का एक वीडियो भी इंटरनेट पर बहुप्रसारित हो रहा है।

शिकायत में यह कहाः अपनी शिकायत में डा. अंकुर देशवाली ने बताया है कि वे सिविल अस्पताल सारंगपुर में सर्जिकल विशेषज्ञ हैं। तीन दिन से विशेष ड्यूटी पर उन्हें जिला अस्पताल में तैनात किया गया है। 24 जून को उनके मोबाइल पर रघुनंदन शर्मा का फोन आया। वे मरीज देखने के लिए बुला रहे थे। उनसे अस्पताल आकर दिखाने को कहा तो वे भड़क गए।कुछ देर बाद रघुनंदन शर्मा, श्याम गुर्जर और केपी पंवार ट्रामा सेंटर के पास मिले।

उनसे केबिन में चलकर दिखाने को कहा तो वे लोग उग्र होकर अभद्रता करने लगे। वहां से हटा तो थोड़ी ही देर में तीनों नेता एक भीड़ लेकर पहुंच गए। आपरेशन थिएटर काम्पलेक्स में घुसकर खींचा, झूमाझटकी की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।जब उन्होंने वहां से

निकलने की कोशिश की तो उन्हें कॉम्प्लेक्स के उसी कमरे में बंधक बनाने का प्रयास किया।पूर्व विधायक बोले, आरोप बेबुनियाद

राजगढ़ के पूर्व विधायक रघुनंदन शर्मा ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास में इंदर सिंह जी रहते हैं, उनके घुटने का ऑपरेशन होना था। डॉक्टर उनको दो-तीन दिन से टाल रहे थे। उनसे ऑपरेशन के लिए बोलने गए तो वे उखड़ गए। बेवजह आरोप लगा रहे हैं।

मै दो बार विधायक, जिलाध्यक्ष, खादी ग्राम बोर्ड का उपाध्यक्ष रहा। 35-40 साल के राजनीतिक जीवन में कभी किसी से कहासुनी तक नहीं हुई।

मंदसौर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर ट्रक में घुसी कार, औरंगाबाद के चार लोगों की मौत

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर मंदसौर जिले के ग्राम तितरोद के पास तेज रफ्तार कार आगे जा रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में महाराष्ट्र के औरंगाबाद क्षेत्र के चार लोगों की मौत हो गई। वहीं दो गंभीर घायल हैं। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह लगभग 11 बजे बजे एक्सप्रेस वे पर मंदसौर जिले के ग्राम तितरोद के पास हादसा हुआ। बताया जा रहा है महाराष्ट्र के औरंगाबाद क्षेत्र से कार(एमएच 20 जीई 7359) में सवार छह लोग कोटा की तरफ जा रहे थे। कार की गति काफी तेज थी और आगे जा रहे ट्रक में घुस गई। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। दूसरे वाहन चालकों और आसपास के ग्रामीणों ने मौके से घायलों ओर मृतकों को बाहर निकाला। सभी घायल और मृतक कार में बुरी तरह से फस गए थे।हादसे में सभी प्रभवितों को सीतामऊ अस्पताल लाया गया। यहां चार लोगों की मौत की पुष्टि की गई। वहीं दो गंभीर घायलों को मंदसौर भेजा गया है। अभी पुलिस ने रविंद्र काले निवासी शास्त्री नगर, जवाहर कॉलोनी, औरंगाबाद व सचिन गंगाधर गजभारे निवासी नाहर क्लिनिक समोर औरंगाबाद की पहचान की है।

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर फिसली, दो नाबालिग घायल

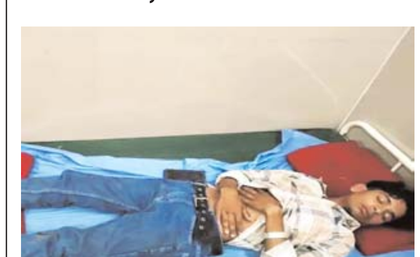

मीडिया ऑडीटर, आलीराजपुर (निप्र)। चंद्रशेखर आजाद नगर थाना क्षेत्र के बरझर ग्राम में एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर बांस के झुरमुट में जा घुसी। इस दुर्घटना में बाइक सवार दो नाबालिग युवक घायल हो गए। घायलों की पहचान गुजरात के वासाडुगरी निवासी 16 वर्षीय अमित (पिता रमेश) और 17 वर्षीय दशरथ (पिता शैलेश) के रूप में हुई है। अमित की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों नाबालिग गुजरात से बरझर आ रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही बरझर पुलिस चौकी प्रभारी शिवा तोमर तुरंत मौके पर पहुंचे।

डंपर की टक्कर से युवक की मौत, आक्रोशित परिजनों ने नेशनल हाईवे पर लगाया जाम

मीडिया ऑडीटर, भिंड (निप्र)। जिले के मेहगांव कस्बे में गुरुवार दोपहर एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित स्वजनों और ग्रामीणों ने ग्वालियर-इटावा नेशनल हाईवे पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और स्वजनों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।संतोष की मौके पर ही मौत जानकारी के अनुसार संतोष बघेल पुत्र मंशाराम बघेल निवासी चौधरी मोहल्ला वार्ड 12 मेहगांव गुरुवार को बाइक से हाट बाजार क्षेत्र की ओर जा रहे थे। इसी दौरान मेहगांव से मौ की तरफ जा रहे एक डंपर ने सामने से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि संतोष की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। इसके बाद परिजन शव को लेकर भिंड तिराहे पर पहुंचे और दोपहर करीब 2.15 बजे ग्वालियर-इटावा नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया। जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई।आरक्षकों ने मृतक के भाई की मारपीट

प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जाम खुलवाने गए दो आरक्षकों ने मृतक के भाई विमलेश के साथ मारपीट कर दी। इस घटना से स्वजनों और ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी महेश शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया।

इस दौरान टीआई की भी स्वजनों से तीखी बहस हो गई। स्वजन की मांग है, कि डंपर चालक के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए, मारपीट करने वाले आरक्षकों पर कार्रवाई हो तथा थाना प्रभारी को भी हटाया जाए।

कार की डिक्की में 3.55 लाख की शराब, तस्कर गिरफ्तार

भोपाल से डिलीवरी देने नर्मदापुरम आया था आरोपी,घेराबंदी कर दबोचा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में अवैध शराब की तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। देहात थाना पुलिस ने बुधवार को कुलामड़ी पवारखेड़ा बायपास रोड पर एक कार से 3.55 लाख रुपए कीमत की अवैध शराब जब्त की है।

मामले में पुलिस ने कार चला रहे भोपाल निवासी एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर की है।

थाना प्रभारी ऊषा मरावी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति सिल्वर रंग की टाटा टियागो कार से भोपाल की तरफ से अवैध शराब लेकर आ रहा है। तत्काल पुलिस की एक टीम को कुलामड़ी बायपास रोड पर चेकिंग के लिए भेजा गया।

कुछ देर बाद टीम ने संदिग्ध टियागो कार (नंबर MP04 CT 7529) को रोककर उसकी तलाशी ली। कार की डिक्की खोलने पर उसमें खाकी रंग के 9 कार्टून रखे मिले। इन पेटियों में कुल 446 क्वार्टर देसी शराब भरी हुई थी, जिसकी कीमत 3.55 लाख रुपए है।

डिलीवरी देने से पहले ही पकड़ में आया आरोपीः पुलिस की पूछताछ में

कार चालक ने अपना नाम चंद्रेश गौर (36) पिता स्व. द्वारका प्रसाद गौर बताया। आरोपी भोपाल के कोलार इलाके स्थित सर्वधन कॉलोनी का रहने वाला है। आरोपी चंद्रेश ने पूछताछ में कुबूल किया कि वह भोपाल से नर्मदापुरम में शराब की डिलीवरी देने के लिए आया था। हालांकि, माल खपाने से पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

आबकारी एक्ट में केस दर्ज, टीम की अहम भूमिकाः पुलिस ने आरोपी के पास से अवैध शराब और कार को जब्त कर लिया है। चंद्रेश के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में देहात थाने के सब-इंस्पेक्टर खुमान सिंह पटेल, एएसआई प्रवीण शर्मा, प्रधान आरक्षक नवीन दुबे, आरक्षक कपिल विश्वकर्मा और जितेंद्र सिंह राजपूत की अहम भूमिका रही।

ह्श्वश्वज्ञ की तैयारी कर रही शिवपुरी की छात्रा ने हल्द्वानी में की आत्महत्या, डायरी में लिखा- '...नहीं छोड़ूंगी'

मीडिया ऑडीटर, हल्द्वानी/शिवपुरी (निप्र)। नीट की तैयारी करने के लिए शिवपुरी से हल्द्वानी गई छात्रा ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को एक डायरी मिली है, जिसमें लिखा है, एक को छोड़ दिया है, दूसरे को नहीं छोड़ूंगी।' ऐसे में प्रेम प्रसंग में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है।

मई अंत में ज्वाइन की थी कोचिंगः जानकारी के मुताबिक मानीपुरा कोलारस, शिवपुरी मध्य प्रदेश निवासी अंजलि जाटव (19), पुत्री रघुवीर जाटव ने 30 मई को हल्द्वानी मुखानी स्थित एक निजी कोचिंग से नीट की तैयारी के लिए प्रवेश लिया था। अभी डेमो क्लासेस ले रही थी और 29 जून से नियमित कक्षाएं शुरू होनी थीं।वह कोचिंग से संबद्ध पीजी होस्टल में रह रही थी। भोपाल एम्स से पढ़ाई कर रहे भाई जितेंद्र जाटव ने भी हल्द्वानी से कोचिंग की थी। यही देखते हुए पिता ने बेटी को भी नीट की तैयारी कराने के लिए 563 किमी दूर हल्द्वानी भेजा था।पांच दिन पहले पिता से कहा था- तबीयत खराब है पिता रघुवीर जाटव का कहना है कि री-नीट के बाद नया बैच बनने वाला था। पांच दिन पहले बेटी से बात हुई थी, तब बता रही थी तबीयत खराब है। तब कहा था कि डॉक्टर को दिखा लें। हल्द्वानी के एसपी सिटी मनोज कत्याल के अनुसार पुलिस ने फोन कब्जे में लिया गया है। उसकी इंटरनेट मीडिया और गूगल सर्च हिस्ट्री भी चेक की जा रही है।

ट्रक के केबिन व स्टेपनी में छिपाकर डोडाचूरा की तस्करी

केले भरे ट्रक में मंदसौर से लेकर पंजाब जा रहे थे, ड्राइवर समेत तीन आरोपी अरेस्ट

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले की जावरा औद्योगिक थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान पंजाब पासिंग दो अलग-अलग ट्रकों से कुल 46 किलो अवैध डोडाचूरा जब्त किया है। इसकी कुल कीमत 2.30 लाख रुपए आंकी गई है। तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए इसे केले के ट्रक के केबिन और स्टेपनी टायर में छिपा रखा था। पुलिस ने दोनों ट्रकों को जब्त कर पंजाब निवासी तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मुखबिर की सूचना पर जावरा-उज्जैन रोड स्थित धाकड़ चौराहे पर पुलिस टीम ने नाकाबंदी की थी। इसी दौरान मंदसौर की तरफ से आ रहे एक संदिग्ध ट्रक (PB13 BE 1576) को रोककर उसकी तलाशी ली गई। ट्रक में केले भरे हुए थे।

जब ट्रक के केबिन की सघन चेकिंग की गई, तो वहां डिस्को रस्सी से बंधी एक सफेद प्लास्टिक की थैली मिली। इसे खोलने पर अंदर से 20 किलो अवैध

डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से आरोपी गुरप्रीत सिंह (32) पिता गुरदीप सिंह मजवी (निवासी दानावाला, जिला बरनाला) और मलकीत सिंह (47) पिता करनेल सिंह रंधावा (निवासी लोंगवाल, जिला संगरूर, पंजाब) को गिरफ्तार कर लिया।स्टेपनी टायर में छिपा रखी थीं 26 थैलियां

एक अन्य कार्रवाई में जावरा औद्योगिक थाना पुलिस ने जावरा-उज्जैन रोड पर ही जिंदल स्टील के सामने नाकाबंदी कर दूसरे ट्रक (PB13 BE 1576) को रोका। तलाशी लेने पर पुलिस को ट्रक के स्टेपनी टायर के अंदर प्लास्टिक की 26 थैलियां मिलीं, जिनमें 26 किलो डोडाचूरा छिपाकर रखा गया था। इस माल की कीमत 1.30 लाख रुपए बताई गई है।

पुलिस ने इस मामले में आरोपी बलविन्दर सिंह (46) पिता करनेल सिंह (निवासी शाहपुर, थाना कोराली, जिला मोहाली, पंजाब) को गिरफ्तार कर ट्रक जब्त कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में तीनों आरोपियों ने बताया कि वे मंदसौर से डोडाचूरा लेकर जावरा होते हुए पंजाब जा रहे थे।रिमांड पर लेकर तस्करी का नेटवर्क खंगालेगी पुलिस

मादक पदार्थ तस्करी के इन दोनों मामलों में पुलिस ने पकड़े गए तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

जावरा औद्योगिक थाना प्रभारी प्रकाश गडरिया ने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। रिमांड के दौरान आरोपियों से अवैध मादक पदार्थ के स्रोत और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य सप्लायर्स के संबंध में विस्तार से पूछताछ की जाएगी।

बालाघाट में कुएं में किसान की गैस से मौत

मोटर सुधारने उतरा था, बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में तोड़ा दम

मीडिया ऑडीटर, बालाघाट (निप्र)। बालाघाट के ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत रोशना पंचायत के सितकुटोला गांव में एक किसान की कुएं की गैस से मौत हो गई। लक्ष्मण (50) पिता हेमराज लिल्हारे गुरुवार को घर के पास स्थित कुएं में मोटर सुधारने उतरे थे, तभी यह हादसा हुआ। बताया जाता है कि कुएं में उतरते ही लक्ष्मण गैस के प्रभाव में आ गए और नीचे गिर पड़े। परिजनों ने कुएं में गिरने की आवाज सुनी तो वे मौके पर पहुंचे। आसपास के लोगों की मदद से उन्हें कुएं से बाहर निकाला गया और तुरंत एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मोटर सुधारने कुएं में उतरे थे किसान पूर्व सरपंच सुरेश नगपुरे ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि किसान खेत में पानी चलाने के लिए मोटर सुधारने कुएं में उतरे थे। पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर जिला अस्पताल में परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा कार्यवाही की। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही किसान की मौत के असली कारणों का पता चल पाएगा।

इनोवा कार से 40 पेटी अवैध शराब जब्त, उदयगढ़ पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, आलीराजपुर (निप्र)। उदयगढ़ पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 40 पेटी अंग्रेजी शराब और एक इनोवा कार जब्त की है। मामले में एक आरोपी जयश चौहान को गिरफ्तार किया गया है। जब्त की गई शराब और वाहन की कुल कीमत लगभग 9.80 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को उदयगढ़ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी। जानकारी के अनुसार, झीरण क्षेत्र से एक सफेद इनोवा कार में बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब भरकर जवानिया-मोरडूंडिया मार्ग की ओर ले जाई जा रही थी।

पुलिस टीम ने पीछा कर कार को बरामद कियाः सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ग्राम किलाना के कालापान फल्या फाटा के पास नाकाबंदी की। कुछ देर बाद मुखबिर द्वारा बताई गई इनोवा कार आती दिखी। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने गाड़ी भगाने की कोशिश की और रास्ते में एक मील के पत्थर से टकराकर आगे निकल गया।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप:

वंशिका, शिवा ने रजत पदक जीता, भारत शीर्ष पर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने जर्मनी के सुहल में आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम जूनियर इवेंट में रजत पदक जीता। इस पदक के साथ ही इवेंट में भारत के कुल पदकों की संख्या 16 हो गई है। पदक तालिका में भारत पहले स्थान पर है। वंशिका चौधरी और शिवा नरवाल की भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। इस पदक के साथ, भारत के कुल पदकों की संख्या अब 16 (5 स्वर्ण, 4 रजत और 7 कांस्य) हो गई है। आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में व्यक्तिगत, टीम और मिश्रित टीम इवेंट्स में अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन और शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम पहले स्थान पर बरकरार है। इससे पहले मंगलवार को, शिवा नरवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल मेन जूनियर इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता था। युग प्रताप सिंह राठौर ने उसी इवेंट में कांस्य पदक जीता था।

भारत ने 10 मीटर एयर पिस्टल मेन जूनियर टीम इवेंट में एक और रजत पदक जीता, जिसमें शिवा नरवाल, संदीप बिश्नोई, और चिराग शर्मा की तिकड़ी ने मिलकर शानदार प्रदर्शन किया और पोडियम पर फिनिश किया।

भारत के कैंपेन को तब बड़ा बढ़ावा मिला जब प्रीतम केंद्रे ने 10 मीटर एयर राइफल मेन जूनियर इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता, जिससे देश को चैंपियनशिप का पांचवां स्वर्ण पदक मिला।

भारत ने 25 मीटर पिस्टल विमेन जूनियर टीम इवेंट में अंजलि महेंद्र भागवत, परिशा गुप्ता और निथिला आइवी डार्लिंग प्रवीण क्रिस्टोफर की तिकड़ी की मदद से कांस्य पदक हासिल किया।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में व्यक्तिगत और टीम इवेंट्स में टीमों का लगातार अच्छा प्रदर्शन निशानेबाजी में देश के दबदबे को दिखाता है।

रूट और हेनरी शीर्ष पर

टेस्ट, वनडे और टी20 के टॉप-5 बल्लेबाजों, गेंदबाजों और ऑलराउंडरों की सूची पर डालें नजर

नई दिल्ली ,एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी और भारतीय कप्तान शुभमन गिल को बड़ा फायदा हुआ है। आईसीसी द्वारा जारी बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज रूट पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 46 और 77 की पारी खेलने वाले रूट 2 स्थान ऊपर चढ़कर पहले स्थान पर पहुंचे हैं। हैरी ब्रूक एक स्थान नीचे फिसलकर दूसरे और ट्रेविस हेड एक स्थान नीचे फिसलकर तीसरे स्थान पर आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ चौथे और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस पांचवें स्थान पर हैं। द ओवल टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड के बड़ी जीत दिलाने वाले तेज गेंदबाज मैट हेनरी टेस्ट रैंकिंग में 6 स्थान की छलांग लगाते हुए पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके संयुक्त रूप से भारत के जसप्रीत बुमराह हैं। हेनरी और बुमराह के अंक समान हैं। टेस्ट ऑलराउंडर्स में भारत के रवींद्र जडेजा पहले, इंग्लैंड के मार्को जानसेन दूसरे, बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज तीसरे, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क चौथे और इंग्लैंड के बेन स्टोक्स पांचवें स्थान पर हैं।

निरंतर बेहतर प्रदर्शन ही टीम में जगह बनाए रखने का एकमात्र तरीका: आवेश खान

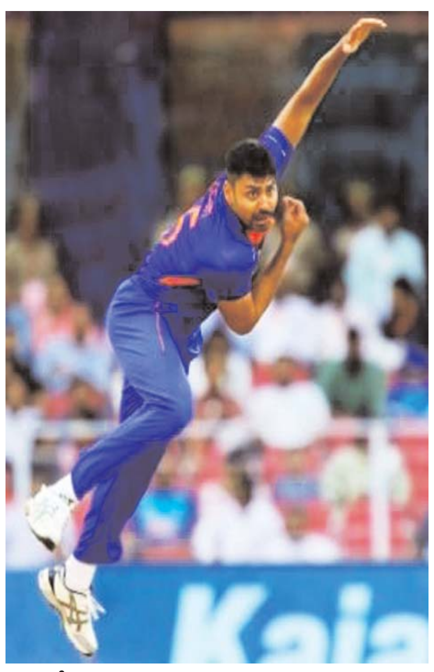

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आवेश खान का कहना है कि टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए प्रतिभा से ज्यादा प्रदर्शन में निरंतरता को बनाए रखना जरूरी है। भारतीय टीम से फिलहाल बाहर चल रहे आवेश खान ने वापसी से जुड़े सवाल पर आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, 'अगर आप लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, तो आप टीम में बने रहेंगे। निरंतरता ही टीम में जगह बनाने और उसे बचाए रखने के लिए सबसे अहम है।' आवेश ने कहा, 'मैं अभी राष्ट्रीय टीम का हिस्सा नहीं हूं। रणजी ट्रॉफी या अन्य घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। मेरी कोशिश अपनी टीम को मैच जिताने की होगी, ताकि मैं उस जगह वापस आ सकूं, जहां का हकदार हूं। मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल) के बाद मैं अपनी फिटनेस और गेंदबाजी पर और काम करूंगा। ' टी20 क्रिकेट के गेंदबाजों के लिए चुनौती माने जाने के सवाल पर आवेश ने कहा, 'टी20 गेंदबाजों के लिए मुश्किल फॉर्मेट है, लेकिन मुझे लगता है कि इसमें एक मौका है कि आप अच्छा कर सकते हैं। अगर आप एक तेज गेंदबाज और एक स्पिनर के तौर पर नई गेंद इजाद करते हैं, तो आप सफल होंगे। मैं हमेशा अच्छा करने के मौके ढूंढता रहता हूं। इसमें नई स्किल सीखना और अपने पर काम करना शामिल है। मुझे हमेशा लगता है कि मैं एक गेंदबाज के तौर पर बल्लेबाजों पर हावी हो जाऊंगा। ' भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए इस समय तेज गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतियोगिता है। कई गेंदबाजों को फॉर्मेट के मुताबिक मौके मिल रहे हैं।

कोच शेली निट्स्के ने जताई उम्मीद

भारत के खिलाफ खेल सकती हैं फोएबे लिचफील्ड

लंदन ,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की कोच शेली निट्स्के ने भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में फोएबे लिचफील्ड की वापसी की उम्मीद जताई है। लिचफील्ड इंजरी की वजह से महिला टी20 विश्व कप 2026 में पिछले तीन मुकाबलों में टीम का हिस्सा नहीं रही हैं। लिचफील्ड 13 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 24 गेंदों में 50 रन की मैच जिताने वाली पारी के दौरान क्वाड में गंभीर चोट लगने के बाद ऑस्ट्रेलिया के पिछले तीन ग्रुप मैच नहीं खेल पाई हैं। बुधवार को क्रिकेट.डॉट.कॉम.एयू से बात करते हुए निट्स्के ने कन्फर्म किया कि उन्हें उम्मीद है कि लिचफील्ड भारत के खिलाफ सिलेक्शन के लिए उपलब्ध होंगी। निट्स्के ने कहा, 'मुझे लगता है कि लिचफील्ड बहुत अच्छा खेल रही हैं और उम्मीद है कि भारत के खिलाफ होने वाले मैच के लिए उपलब्ध होंगी।' लिचफील्ड की गैरमौजूदगी में नंबर 3 पर एलिसा पेरी बल्लेबाजी कर रही हैं। लिचफील्ड अगर पूरी तरह से फिट होकर वापसी करती हैं, तो

पेरी को दोबारा से नंबर चार की बैटिंग पोजीशन पर लौटना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ नंबर तीन पर खेलते हुए पेरी ने 48 गेंदों में 71 रनों की दमदार पारी खेली थी। लिचफील्ड की उपलब्धता पर आखिरी फैसला रविवार को भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले लिया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया शुक्रवार को लॉर्ड्स में और शनिवार को वर्म्सली में ट्रेनिंग करेगा।

लिचफील्ड की वापसी पर लूसी हैमिल्टन को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जा सकता है। वहीं, हेड कोच निट्स्के ने यह भी कन्फर्म किया कि ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस को लॉर्ड्स में उनके अनुभव को देखते हुए वापस बुलाया जा सकता है।

न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज बॉब ब्लेयर का 94वें जन्मदिन पर हुआ निधन

नई दिल्ली ,एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज बॉब ब्लेयर का निधन हो गया है। उन्होंने अपने 94वें जन्मदिन के मौके पर अंतिम सांस ली। ब्लेयर ने 1952 से 1964 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 19 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 35 की औसत से 43 विकेट लिए। घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 59 मैचों में 15 की औसत से 330 विकेट झटके। वे ज्यादातर वेलिंगटन के लिए खेले, जबकि कुछ समय सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से भी मैदान में उतरे। उनका सबसे बेहतरीन सीजन 1956-57 में रहा, जब उन्होंने केवल 9 की औसत से 46 विकेट लिए। इस सीजन में उन्होंने एक पारी में दो बार 9 विकेट लेने का कारनामा भी किया। हालांकि, ब्लेयर को सबसे ज्यादा पहचान 1953 के साउथ अफ्रीका दौरे के दौरान मिली। एलिस पार्क में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में उन्हें यह दुखद खबर मिली कि उनकी मंगेतर नेरिसा लव तांगीवाई रेल हादसे में मारे गए 151 लोगों में शामिल थीं।

हमने इस मैच में सबसे खराब क्रिकेट खेला

शर्मनाक हार पर बोलीं पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना

लीड्स ,एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 में मंगलवार को पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 113 रनों की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। टीम की कप्तान फातिमा सना ने माना है कि हेडिंग्ले के मैदान पर टीम ने टूर्नामेंट का सबसे खराब प्रदर्शन किया। पाकिस्तान का प्रदर्शन महिला टी20 विश्व कप 2026 में बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने अब तक कुल 4 मुकाबले खेले हैं और सभी में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। सना ने टीम से नीदरलैंड्स के खिलाफ अपने आखिरी ग्रुप मैच से पहले ईमानदारी से अपनी कमियों को समझने की अपील की। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने इस मैच में अपना सबसे खराब क्रिकेट खेला, और पूरी टीम के तौर पर हमें यह मानना ??होगा। हमें पीछे मुड़कर देखना होगा, सोचना होगा और खुद को बेहतर बनाना होगा।' पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप में काफी तैयारी के बाद एंट्री की थी, और सना का मानना ??है कि टूर्नामेंट से पहले की गई तैयारी अच्छी रही थी। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन तैयारियों को मैदान पर प्रदर्शन में बदलना टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है।

उन्होंने कहा, 'निजी तौर पर मुझे लगता है कि यहां आने से पहले हमने काफी अच्छी प्रैक्टिस की, लेकिन हम अपनी तैयारियों को मैदान में अमल में नहीं ला सके हैं। हमें अभी इसी की जरूरत है। वरना, हमारे कुछ बहुत अच्छे प्रैक्टिस सेशन और तैयारी थी।' निराशाजनक हार के बावजूद पाकिस्तान की कप्तान सना ने सकारात्मक बातों का भी जिक्र किया। उन्होंने अपनी युवा गेंदबाजों के प्रदर्शन की सराहना की, जिन्होंने मैच के शुरुआती चरण में ऑस्ट्रेलिया पर अच्छा दबाव बनाया और उन्हें खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। '

खास तौर पर बाएं हाथ की स्पिनर नशरा संधू और सादिया इकबाल ने दो-दो विकेट लेकर प्रभावित किया। दोनों गेंदबाजों ने शुरुआती ओवरों में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को परेशान किया और टीम को मुकाबले में बनाए रखा। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि हमारी

गेंदबाजी बहुत अच्छी थी, खासकर जिस तरह से हमने शुरुआत की। नशरा और सादिया ने बहुत अच्छी बॉलिंग की, जो बहुत बढ़िया था। हमें बस उन्हें सपोर्ट करने के लिए और प्लेयर्स की जरूरत है क्योंकि हम दूसरे एरिया में संघर्ष कर रहे थे। हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं और वे प्रदर्शन कर सकते हैं, लेकिन हमें सभी से और योगदान की जरूरत है।

'पूरी तरह से सम्मान की हकदार', हॉकी इंडिया ने सविता पूनिया को पद्म श्री मिलने पर दी बधाई

नई दिल्ली ,एजेंसी। हॉकी इंडिया ने अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा भारत के चौथे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। इस उपलब्धि का जश्न मनाते हुए, हॉकी इंडिया ने सविता को भारतीय खेल का 'सच्चा आइकन' बताया और कहा कि यह सम्मान एक दशक से ज्यादा समय से भारतीय हॉकी में उनके बहुत बड़े योगदान को सही पहचान देता है। हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'एक सच्चे आइकन के लिए पद्म श्री। भारतीय महिला हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी सविता को भारतीय खेलों में उनके शानदार योगदान के लिए माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से पद्म श्री मिला। एक खिलाड़ी के लिए यह बहुत बड़ा सम्मान है, जिसने एक दशक से ज्यादा समय तक भारत के गोल पोस्ट की रक्षा की है, और अपनी बेहतरीन प्रतिभा, हिम्मत और लीडरशिप से लाखों लोगों को प्रेरित किया है।' इस बड़े सम्मान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भावुक सविता ने 'आईएएनएस' को बताया कि यह अवॉर्ड न केवल उनके लिए बल्कि उनके परिवार और टीम के साथियों के लिए भी बहुत गर्व की बात है, जो उनके इस सफर में उनके साथ खड़े रहे। सविता ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि यह अपने आप में एक बहुत बड़ा अवॉर्ड है। जब मैंने हॉकी खेलना शुरू किया, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरा सफर इतना लंबा होगा और मुझे इतना बड़ा व्यक्तिगत सम्मान मिलेगा। यह मेरे, मेरे परिवार और मेरी टीम के लिए बहुत बड़ी बात है। '

अपने करियर के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बताते हुए उन्होंने मुश्किल समय से उबरने में मदद करने का श्रेय अपने परिवार को दिया। उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे कई हालात थे जब मुझे लगा कि मुझे खेलना बंद करना पड़ेगा। हालांकि, मेरे परिवार के सपोर्ट की वजह से मैंने अपना हॉकी का सफर जारी रखा। आज मेरा परिवार मेरे साथ है, और सब बहुत खुश हैं। एक मिडिल-क्लास परिवार की लड़की होने के नाते, अपने माता-पिता से इतना सपोर्ट मिलना बहुत खास लगता है। '

फीफा वर्ल्ड कप: ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से रौंदा

नॉकआउट स्टेज में बनाई जगह

मियामी ,एजेंसी। ब्राजील ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर ने दो गोल दागे, जबकि मैथियस कुन्हा ने एक गोल किया। इस मुकाबले में नेमार की लंबे समय बाद ब्राजील की टीम में वापसी हुई। ब्राजील ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और स्कॉटलैंड पर लगातार दबाव बनाए रखा। मैच के छठे मिनट में ही ब्राजील ने 1-0 की बढ़त हासिल की। स्कॉटलैंड के डिफेंस से हुई गलती का फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने शानदार गोल दागा। विनीसियस ने यह टूर्नामेंट का अपना चौथा गोल दागा और वह इस गोल के साथ ही गोल्डन बूट की रेस में शामिल हो गए हैं। उन्होंने किलियन एम्बाप्पे और एरलिंग हालैंड की बराबरी कर ली है। पहले गोल के बाद भी ब्राजील का दबदबा जारी रहा। विनीसियस ने एक और गोल

किया था, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की जांच के बाद उसे फाउल करार देते हुए रद्द कर दिया गया। हालांकि, पहले हाफ के अतिरिक्त समय में विनीसियस ने हाथ आए मौके को भुनाया और ब्राजील को मैच में 2-0 से आगे कर दिया। ब्रूनो गिमाराइश के बेहतरीन क्रॉस पर विनीसियस ने शानदार हेडर मारते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया। स्कॉटलैंड ने मैच में वापसी करने की कई बार कोशिश की, लेकिन वह ब्राजील के मजबूत डिफेंस को नहीं भेद सका। ब्राजील का तीसरा गोल मैथियस कुन्हा ने किया। ब्रूनो गुइमारेस के बेहतरीन पास पर कुन्हा ने शानदार फिनिश करते हुए टीम की बढ़त 3-0 कर दी। इस गोल ने ब्राजील की जीत पर मुहर लगाने का काम किया। 3-0 की बढ़त बनाने के बाद लगभग तीन साल बाद नेमार ब्राजील की जर्सी में मैदान पर उतरे। नेमार पूरी तरह से फिट और अच्छी लय में दिखाई दिए। इस जीत के साथ ही ब्राजील ने राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली है। टीम ग्रुप सी में पहले स्थान पर रही और अब 30 जून को टीम का सामना ग्रुप एफ की उपविजेता से होगा।

प्रदेश के सिंचाई जलाशयों में बेहतर जलभराव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य के सिंचाई जलाशयों में जलभराव की स्थिति पिछले दो वर्षों की तुलना में काफी बेहतर है। जल संसाधन विभाग की 24 जून 2026 की टैंक गेज रिपोर्ट के अनुसार राज्य के प्रमुख और मध्यम जलाशयों में कुल 51.12 प्रतिशत जलभराव है, जबकि इसी अवधि में वर्ष 2025 में जल भराव 25.92 प्रतिशत और वर्ष 2024 में 30.50 प्रतिशत था। राज्य के 12 प्रमुख जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता 5355.709 मिलियन घनमीटर है, जिसमें वर्तमान में 2873.617 मिलियन घनमीटर पानी उपलब्ध है। इससे प्रमुख जलाशयों में जलभराव 53.66 प्रतिशत हो गया है, जबकि 24 जून 2025 को यह 30.67 प्रतिशत और 24 जून 2024 को 25.70 प्रतिशत था। इसी प्रकार 34 मध्यम जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता 1004.519 मिलियन घनमीटर है। इनमें वर्तमान में 377.769 मिलियन घनमीटर पानी संग्रहित है, जो कुल क्षमता का 37.61 प्रतिशत है। पिछले वर्ष इसी दिन यह 29.57 प्रतिशत तथा वर्ष 2024 में 27.08 प्रतिशत था। राज्य के कई महत्वपूर्ण जलाशयों में भी जलभराव संतोषजनक स्तर पर पहुंच गया है। मुरुमसिल्ली जलाशय में 78.69 प्रतिशत, दूधावा में 74.22 प्रतिशत, मनियारी में 74.34 प्रतिशत, सोंडूर में 64.89 प्रतिशत, खरंग में 62.89 प्रतिशत तथा मिनीमाता बांगो जलाशय में 55.51 प्रतिशत क्षमता तक पानी है। मानसून के आगे बढ़ने के साथ जलाशयों में जलभराव में और वृद्धि होने की संभावना है।

तकनीक, नवाचार और किसान हितैषी योजनाओं से कृषि बनेगी अधिक लाभकारी एवं आत्मनिर्भरः राजेश अग्रवाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लखनपुर (अंबिकापुर) स्थित जुनाडीह मल्टीप्लेक्स में एक निजी चैनल द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को सुना। कार्यक्रम में क्षेत्र के कृषक, जनप्रतिनिधि, कृषि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, सरकारी योजनाओं और कृषि में नवाचार के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई।

तकनीक, नवाचार और किसान हितैषी योजनाओं से कृषि बनेगी अधिक लाभकारी एवं आत्मनिर्भर: श्री राजेश अग्रवाल

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज खेती केवल परंपरागत गतिविधि नहीं रह गई है, बल्कि तकनीक, वैज्ञानिक पद्धतियों और नवाचारों के माध्यम से इसे आधुनिक व्यवसाय का स्वरूप दिया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि किसानों को बीज, सिंचाई, उर्वरक, कृषि यंत्रों और बाजार की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता और आय दोनों में वृद्धि हो।श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का लाभ अब गांव-गांव तक पहुंच रहा है। कृषि यंत्रीकरण, सूक्ष्म सिंचाई, फसल विविधीकरण और मूल्य संवर्धन जैसी पहलें किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने किसानों से नई तकनीकों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आधुनिक कृषि ही भविष्य की समृद्धि का आधार है।कार्यक्रम में किसानों ने भी खेती-किसानी से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे तथा कृषि क्षेत्र की चुनौतियों और संभावनाओं पर चर्चा की। मंत्री श्री अग्रवाल ने किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान और कृषि विकास के लिए सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

जशपुर जिले में पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था सुचारु

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य सरकार प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता सुनिश्चत करने मॉनिटरिंग कर रही है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि जिले में पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है तथा किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। जशपुर जिले में भी पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति सामान्य एवं सुचारु रूप से जारी है। जिले में कुल 61 पेट्रोल पंप संचालित हैं, जिनमें इंडियन ऑयल के 28, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के 24 तथा भारत पेट्रोलियम के 9 पेट्रोल पंप शामिल हैं। प्री-मानसून वर्षा के उपरांत खरीफ फसल की तैयारियों के कारण कृषि कार्यों में डीजल की मांग बढ़ी है। इसी क्रम में 23 जून 2026 को जशपुर जिले के कोतबा क्षेत्र स्थित दो पेट्रोल पंपों में डीजल स्टॉक समाप्त होने से अस्थायी स्थिति उत्पन्न हुई थी। किसानों एवं आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निकटवर्ती पेट्रोल पंपों से वैकल्पिक आपूर्ति व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित की गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली महेत्तर राम की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रत्येक व्यक्ति के मन में एक सपना रहता है कि उसका खुद का आशियाना हो जिसमें वह सुकून की नींद ले सकें। कोरबा जिले के सीमावर्ती ग्राम काटाद्वारी में रहने वाले लगभग 50 वर्षीय ग्रामीण महेत्तर राम के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना किसी वरदान से कम नहीं साबित हुई है। दोनों पैरों से चल पाने में असमर्थ महेत्तर राम अब अपने परिवार के साथ पक्के घर में सुरक्षित जीवन जी रहे हैं।महेत्तर राम ने बताया कि उनकी पत्नी का पहले ही निधन हो चुका है और वे अपने दो बेटों के साथ जीवनयापन कर रहे हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनका कच्चा मकान वर्षों तक पक्का नहीं हो सका। को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। ऐसे में हर बरसात उनके लिए चिंता और कठिनाइयों का कारण बन जाती थी।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जब उनके नाम आवास स्वीकृत हुआ और किस्त की राशि मिली, तो उन्होंने तुरंत पक्का मकान बनवाने का कार्य शुरू कराया। आज उनका सपना पूरा हो चुका है।

सैनिक स्कूल अंबिकापुर में आधुनिक पीवीसी बैडमिंटन कोर्ट का लोकार्पण

खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सैनिक स्कूल अंबिकापुर में नव-निर्मित अत्याधुनिक पीवीसी बैडमिंटन कोर्ट का भव्य एवं गरिमामय वातावरण में उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास मंत्री श्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सरगुजा श्री अजीत वसंत विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने किया उद्घाटन, 'परमवीर गैलरी' का भी हुआ अनावरण कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने उद्घाटन पट्टिका का अनावरण कर नव-निर्मित पीवीसी बैडमिंटन कोर्ट विद्यालय एवं कैडेट्स को समर्पित किया। समारोह का शुभारंभ परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने देश के वीर सैनिकों के सम्मान में स्थापित 'परमवीर गैलरी' का भी लोकार्पण किया। इस गैलरी में परमवीर चक्र विजेताओं के अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रसेवा की प्रेरक गाथाओं को प्रदर्शित किया गया है, जो विद्यार्थियों और कैडेट्स में राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व क्षमता तथा कर्तव्यनिष्ठा की भावना को मजबूत करेगी। अपने संबोधन में मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक खेल अधोसंरचना विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन द्वारा खेल सुविधाओं के विस्तार और गुणवत्ता सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास भविष्य के खिलाड़ियों और नेतृत्वकर्ताओं के निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे। उद्घाटन समारोह के दौरान नव-निर्मित बैडमिंटन कोर्ट पर प्रदर्शनी मैचों का आयोजन भी किया गया, जिसमें कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के उत्साह और आत्मविश्वास ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को प्रभावित किया। विद्यालय की प्राचार्या कर्नल रीमा सोबती ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुशासन, खेल गतिविधियों तथा विभिन्न नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीवीसी बैडमिंटन कोर्ट के निर्माण से कैडेट्स को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताओं की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे। कार्यक्रम में विद्यालय के अधिकारी, शिक्षकगण, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में कैडेट्स उपस्थित रहे। समारोह का समापन अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। नव-निर्मित खेल सुविधा और परमवीर गैलरी का लोकार्पण सैनिक स्कूल अंबिकापुर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को और अधिक सशक्त करेगा।

राज्यपाल डेका ने सक्ती जिले के अधिकारियों से की चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज लोकभवन में वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से सक्ती जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ चर्चा कर जनकल्याणकारी योजनाओं के 22 प्रमुख बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी ली। राज्यपाल ने जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छोटे कर्मचारी से लेकर वरिष्ठ अधिकारी सभी शासकीय कर्मचारी एक पेड़ मां के नाम अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें व अपने कार्यालय एवं निवास में पेड़ लगाकर हरियाली प्रसार में योगदान करें। राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि जिले में प्री मानसून, पोस्ट मानसून जल स्तर का आकंलन किया जाए। प्रधानमंत्री आवासों में वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसके लिए अभी से प्रभावी कदम उठाया जाएं। उन्होंने सभी शासकीय भवनों एवं निवास स्थान के परिसर के कवर्ड एरिया में हरियाली प्रसार के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए।

सीड बॉल अभियान के साथ हरियाली की नई शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मानसून की दस्तक के साथ बलौदाबाजार वनमण्डल ने जंगलों को फिर से हरा-भरा बनाने की दिशा में बड़ा अभियान शुरू किया है। इस वर्ष वनमण्डल ने दो लाख से अधिक सीड बॉल तैयार कर उनका रोपण करने का लक्ष्य रखा है। प्राकृतिक पुनर्जनन को बढ़ावा देने और कम लागत में अधिक हरित क्षेत्र विकसित करने की यह पहल अब जमीन पर तेजी से दिखाई देने लगी है। वनमण्डलाधिकारी के निर्देशन में रिक्त वन क्षेत्रों, असिस्टेड नेचुरल रिजनरेशन क्षेत्रों, चारागाह विकास स्थलों तथा नदी-नालों के किनारों पर चरणबद्ध तरीके से सीड बॉल का रोपण किया जा रहा है। अभियान की खास बात यह है कि इसमें स्थानीय जलवायु और पारिस्थितिकी के अनुरूप इमली, चार, बेल, बेर, आम, बहेड़ा सहित अनेक उपयोगी एवं देशज प्रजातियों के बीजों का उपयोग किया गया है। वन परिक्षेत्र देवपुर के कसौदी परिसर, एएनआर क्षेत्रों और जोंक नदी के किनारे बड़े पैमाने पर सीड बॉल डाले गए हैं। वहीं बारनवापारा, अल्दा, मुढ़ीपार, सुरबाय, डूमरपाली, बल्दाकछार, डाढ़ाखार और पैरागुड़ा सहित कई वन परिसरों में भी यह अभियान लगातार चल रहा है। वन विभाग के अनुसार आगामी 'युवान' कार्यक्रम के तहत जल स्रोतों, छोटे नालों और नदी तटों पर फलदार एवं बहुउपयोगी वृक्षों के रोपण की भी कार्ययोजना तैयार की गई है। इसका उद्देश्य केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि जल एवं मृदा संरक्षण, वन्यजीवों के लिए खाद्य उपलब्ध कराना और स्थानीय जैव विविधता को मजबूत बनाना भी है। वनमण्डलाधिकारी का कहना है कि सीड बॉल तकनीक प्राकृतिक पुनर्जनन का प्रभावी और किफायती माध्यम है। जनभागीदारी, स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण और वैज्ञानिक प्रबंधन के जरिए वन क्षेत्रों का हरित आच्छादन बढ़ाने के प्रयास लगातार जारी हैं। वर्षा ऋतु में अभियान को और गति देकर जंगलों के दीर्घकालिक संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री श्री साय सरकार की संवेदनशील पहल से बदल रही भूमिहीन परिवारों की जिंदगी

हितग्राहियों ने जताया आभार, कहा-योजना बनी सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का आधार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार समाज के कमजोर, वंचित और श्रमजीवी वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना प्रदेश के लाखों भूमिहीन परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के तहत प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता जरूरतमंद परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बन रही है। इसी कड़ी में रायगढ़ जिले में इस योजना के अंतर्गत 32 हजार से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभ मिल रहा है। सहायता राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित की जा रही है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होने के साथ-साथ परिवारों को समय पर आर्थिक सहयोग भी प्राप्त हो रहा है। शासन की यह पहल उन परिवारों के लिए राहत लेकर आई है, जिनकी आजीविका मुख्य रूप से मजदूरी और पारंपरिक व्यवसायों पर निर्भर है। जिले के नगरीय क्षेत्र में नगर पंचायत घरघोड़ा के 65, धरमजयगढ़ के 563, पुसौर के 371, किरोड़ीमल नगर के 9 तथा लैलूंगा के 304 हितग्राही योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में खरसिया के 7,391, घरघोड़ा के 1,135, छाल के 790, तमनार के 2,433, धरमजयगढ़ के 2,313, पुसौर के 7,360, मुकड़ेगा के 303, रायगढ़ के 6,985 तथा लैलूंगा के 2,020 हितग्राहियों को योजना का लाभ मिल रहा है। यह योजना भूमिहीन कृषि मजदूरों के साथ-साथ वनोपज संग्राहकों, चरवाहों, बढ़ई, लोहार, मोची, नाई, धोबी तथा अन्य पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जीवन के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की है।

अवैध मुरूम उत्खनन करते जेसीबी और हाइवा जब्त

अवैध मुरूम उत्खनन करते जेसीबी और हाइवा जब्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुरही नदी क्षेत्र में अवैध खनन की शिकायत पर खनिज विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुरूम और मिट्टी का अवैध उत्खनन कर रहे दो वाहनों को जब्त किया है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के खनिज विभाग की टीम ने 23 जून को क्षेत्र का निरीक्षण किया। जांच के दौरान ग्राम नादिया स्थित सुरही नदी के पास मुरूम एवं मिट्टी का अवैध उत्खनन करते हुए एक जेसीबी और एक हाइवा वाहन पकड़े गए। जेसीबी क्रमांक सीजी 08 एडब्ल्यू 2801 और हाइवा क्रमांक सीजी 08 एजे 9088 को जब्त कर सुरक्षा की दृष्टि से गंडई थाना परिसर में खड़ा करा दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि जेसीबी का संचालन पथर्रा निवासी कमलेश्वर कर रहा था, जबकि वाहन स्वामी ग्राम नादिया का निवासी है। वहीं हाइवा का चालक निवासपुर निवासी धनीराम तथा वाहन स्वामी देवपुरा निवासी मिथलेश साहू बताया गया है।

भारतमाला परियोजना के दो राष्ट्रीय राजमार्गों के काम मार्च-2027 तक होंगे पूरे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की बैठक लेकर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने रायपुर के पेंशनबाड़ा स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता कार्यालय में आयोजित बैठक में ठेकेदारों को निर्माणाधीन सड़कों पर वैकल्पिक या डायवर्टेड मार्ग बनाकर काम करने के दिए निर्देश दिए, ताकि बरसात में लोगों को आवाजाही में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। उन्होंने केशकाल घाटी बायपास सड़क के काम में तेजी लाते हुए सड़क के साथ ही इस मार्ग में बनने वाले दो बड़े पुलों के काम भी जल्दी शुरू करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी, केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के क्षेत्रीय अधिकारी श्री अभिजीत कुमार तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ह्मढ्ढ) के क्षेत्रीय अधिकारी श्री आलोक कुमार भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

भारतमाला परियोजना के दो राष्ट्रीय राजमार्गों के काम मार्च-2027 तक होंगे पूरे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी श्री आलोक कुमार ने बैठक में बताया कि भारतमाला परियोजना के तहत निर्माणाधीन रायपुर-विशाखापटनम एक्सप्रेस-वे और दुर्ग-आरंग बायपास मार्ग के काम अगले वर्ष मार्च तक पूरे कर लिए जाएंगे। भारतमाला परियोजना के तहत ही निर्माणाधीन रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरीडोर का काम भी तेज गति से चल रहा है। लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने छत्तीसगढ़ से गुजरने वाले भारतमाला परियोजना की सड़कों का पूरा लाभ उठाने राज्य की सड़कों को इनसे जोड़ने टू-लेन और फोर-लेन सड़कों के प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए, जिससे इन इकोनॉमिक कॉरीडोर्स का पूरा लाभ राज्य को मिल सके। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के इन सड़क खंडों के चालू हो जाने से राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी। माल और यात्री परिवहन की दृष्टि से ये सड़कें बहुत महत्वपूर्ण हैं। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने बैठक में एनएचएआई द्वारा रायपुर के तेलीबांधा चौक, उद्योग भवन चौक और सरोना चौक में प्रस्तावित फ्लाईओवर्स की स्वीकृति की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को राष्ट्रीय राजमार्गों से संबंधित भूमि अधिग्रहण और वन-व्यपवर्तन के लंबित मामलों की जानकारी यथासमय उच्च कार्यालयों को देने के निर्देश दिए, जिससे कि इनके जल्द निराकरण की कार्यवाही उच्च स्तर पर की जा सके। उन्होंने विभिन्न जिलों में सड़कों और पुलों के अपने निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों के अनुपालन तथा कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली। श्री बंसल ने राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के दौरान ब्लैक-स्पॉट्स को खत्म करने के साथ ही सड़क सुरक्षा के मापदंडों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने मानकों के अनुरूप ही सड़कों पर गति अवरोधकों का निर्माण करने को कहा। उन्होंने सभी अधिकारियों को लगातार फील्ड में जाकर कार्यों के बारिकी से निरीक्षण करने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने और निर्धारित समयावधि में काम पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा